संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 19
पृष्ठ 8
शनिवार
05 अक्टूबर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- दूध का सेवन सेहत के लिए ...

विचार- ईरान-इजरायल युद्धः खतरे में.....

खेल- हार्दिक पांड्या से नाखुश हैं कोच....

आध्यात्मिकता समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का मार्ग : मुर्मु

आबू रोड़, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आध्यात्मिकता को समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का मार्ग बताते हुए कहा है कि आज विश्व के अनेक हिस्सों में व्याप्त अशांति के वातावरण और मानवीय मूल्यों का हो रहे ह्रास के समय में आध्यात्मिकता एक स्वस्थ और शांतिपूर्ण समाज की स्थापना में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। श्रीमती मुर्मु शुक्रवार को सिरोही जिले के आबूरोड़ में आध्यात्मिकता से स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज' विषय पर ब्रह्माकुमारी संस्थान में आयोजित वैश्विक शिखर सम्मेलन में बोल रही थीं। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता न केवल व्यक्तिगत विकास का साधन है बल्कि यह समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का मार्ग भी है। जब हम अपने भीतर की स्वच्छता को पहचान पाने में सक्षम होंगे, तभी हम एक स्वस्थ और शांतिपूर्ण समाज की स्थापना में अपना योगदान दे सकेंगे। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता का अर्थ है, अपने भीतर की शक्ति को पहचान कर अपने आचरण और विचारों में शुद्धता लाना है। शांति केवल बाहर ही नहीं बल्कि हमारे मन की गहराई में स्थित होती है। जब हम शांत होते हैं, तभी हम दूसरों के प्रति सहानुभूति और प्रेम का भाव रख सकते हैं। उन्होंने कहा कि अध्यात्म से जुड़ाव हमें, समाज और विश्व को देखने का एक अलग सकारात्मक दृष्टिकोण प्रदान करता है। यह दृष्टिकोण हममें सभी प्राणियों के प्रति दया और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता का भाव उत्पन्न करता है। राष्ट्रपति ने कहा कि आज जब हम ग्लोबल वार्मिंग और पर्यावरण प्रदूषण के विपरीत प्रभावों से जूझ रहे हैं तब इन चुनौतियों का सामना करने के लिए सभी संभव प्रयास करने चाहिए। मनुष्य को यह समझना चाहिए कि वह इस धरती का स्वामी नहीं है बल्कि पृथ्वी के संरक्षण के लिए जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि आज विश्व के अनेक हिस्सों में अशांति का वातावरण व्याप्त है। मानवीय मूल्यों का ह्रास हो रहा है। ऐसे समय में शांति और एकता की महत्ता और अधिक बढ़ गई है। शांति केवल बाहर ही नहीं बल्कि हमारे मन की गहराई में स्थित होती है। जब हम शांत होते हैं, तभी हम दूसरों के प्रति सहानुभूति और प्रेम का भाव रख सकते हैं। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारी जैसे संस्थानों से यह अपेक्षा की जाती है कि आध्यात्मिकता के बल पर लोगों को स्वच्छ और स्वस्थ जीवन जीने के लिए जागरूक करते रहेंगे। आध्यात्मिकता हमारे निजी जीवन को ही नहीं, बल्कि समाज और धरती से जुड़े अनेक मुद्दों जैसे सतत विकास एवं पर्यावरण संरक्षण और सोशियल जस्टिस को भी शक्ति प्रदान करती है। आध्यात्मिक मूल्यों का तिरस्कार करके केवल भौतिक प्रगति का मार्ग अपनाना अंततः विनाशकारी ही सिद्ध होता है। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि स्वच्छ मानसिकता के आधार पर ही समग्र स्वास्थ्य संभव होता है। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता का मतलब धार्मिक होना या सांसारिक कार्यों का त्याग कर देना नहीं है। आध्यात्मिकता का अर्थ है, अपने भीतर की शक्ति को पहचान कर अपने आचरण और विचारों में शुद्धता लाना हैं। उन्होंने कहा कि स्वच्छता सिर्फ बाहरी नहीं हमारे विचारों में भी होनी चाहिए। सामाजिक, मानसिक, भावनात्मकता आपस में जुड़े हुए हैं। अगर आत्मा स्वच्छ और स्वस्थ हो तो सब कुछ सही हो जाता है। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने भी सम्मेलन को संबोधित किया।

कैबिनेट बैठक ने रेलवे कर्मचारियों को दी खुशखबरी, बोनस को दी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने एक बड़ी घोषणा की है। इस कैबिनेट बैठक में सरकार ने रेलवे कर्मचारियों के लिए 78 दिनों के वेतन के बराबर उत्पादकता से जुड़े बोनस (पीएलबी) के भुगतान को हरी झंडी दे दी है। सरकार द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, कुल 2,028.57 करोड़ रुपये की बोनस राशि 11,72,240 रेलवे कर्मचारियों के बीच वितरित की जाएगी। रेलवे कर्मचारियों के असाधारण प्रदर्शन को मान्यता देने वाले इस बोनस से विभिन्न श्रेणियों के कर्मचारियों को लाभ मिलेगा, जिनमें ट्रैक मेंटेनर, लोको पायलट, ट्रेन मैनेजर (गार्ड), स्टेशन मास्टर, पर्यवेक्षक, तकनीशियन, तकनीशियन हेल्पर, पॉइंट्समैन, मंत्रालयिक कर्मचारी और अन्य ग्रुप सी कर्मचारी शामिल हैं। बयान में कहा गया है, पीएलबी का भुगतान रेलवे कर्मचारियों को भारतीय रेलवे के प्रदर्शन को और बेहतर बनाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए एक प्रोत्साहन के रूप में कार्य करता है। यह वार्षिक बोनस पारंपरिक रूप से दुर्गा पूजा और दशहरा की छुट्टियों से पहले दिया जाता है। 2023 के लिए, बोनस 78 दिनों के वेतन के बराबर होगा, जिसमें अधिकतम देय राशि प्रति पात्र कर्मचारी 17,951 रुपये निर्धारित की गई है। सरकार ने 2023–2024 में भारतीय रेलवे के मजबूत प्रदर्शन पर प्रकाश डाला, जिसमें 1,588 मिलियन टन का रिकॉर्ड माल लदान और लगभग 6.7 बिलियन यात्रियों का परिवहन शामिल है। इस उपलब्धि में योगदान देने वाले कारकों में बढ़े हुए सरकारी निवेश, बेहतर परिचालन दक्षता और नई तकनीक को अपनाने से प्रेरित महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचा विकास शामिल है।

युवाओं को ड्रग्स की अंधेरी दुनिया में ले जाना चाहती है कांग्रेस : अमित शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने दक्षिणी दिल्ली में छापेमारी के बाद 5,600 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की 500 किलोग्राम से अधिक कोकीन बरामद की, जिसे राष्ट्रीय राजधानी में अब तक की सबसे बड़ी नशीली दवाओं का भंडाफोड़ कहा जा रहा है। नशीली दवाओं के भंडाफोड़ के सिलसिले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया था। हालांकि, इसको लेकर सियासत भी खूब हो रही है। भाजपा ने लगाया कि ड्रग कारोबार से जुड़े 5,600 करोड़ रुपये की जब्ती के मामले में गिरफ्तार मुख्य आरोपी को भारतीय युवा कांग्रेस की दिल्ली इकाई के सूचना का अधिकार (आरटीआई) प्रकोष्ठ का अध्यक्ष बनाया गया है। अब एक बार फिर से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस मामले को लेकर कांग्रेस पर वार किया है। अमित शाह ने एक्स पोस्ट में लिखा कि एक ओर जहाँ मोदी सरकार श्नशामुक्त भारतश के लिए जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रही है, वहीं उत्तर भारत से पकड़ी गई ड्रग्स की ध्5,600 करोड़ की खेप में कांग्रेस के एक प्रमुख व्यक्ति की संलिप्तता बेहद खतरनाक और शर्मनाक है। विपक्ष पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासन में ड्रग्स से पंजाब, हरियाणा और समग्र उत्तर भारत में युवाओं का जो हाल हुआ, वह सभी ने देखा है। मोदी सरकार युवाओं को खेल, शिक्षा और इनोवेशन की ओर ले जा रही है, तो वहीं कांग्रेस उन्हें ड्रग्स की अंधेरी दुनिया में ले जाना चाहती है। भाजपा नेता ने साफ तौर पर कहा कि कांग्रेस नेता द्वारा अपने राजनीतिक रसूख से युवाओं को ड्रग्स के दलदल में झोंकने का जो पाप किया जाना था, उन इरादों को मोदी सरकार कभी पूरा नहीं होने देगी। हमारी सरकार, ड्रग्स के कारोबारियों का राजनीतिक पद या कद देखे बिना, ड्रग्स के पूरे तंत्र का विनाश कर श्नशामुक्त भारतश बनाने के लिए संकल्पित है। भाजपा प्रवक्ता और सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने देश को बर्बाद करने में शामिल मादक पदार्थ तस्करों से कथित संबंधों को लेकर कांग्रेस की आलोचना की और मुख्य विपक्षी पार्टी से स्पष्टीकरण मांगा। उन्होंने सवाल किया कि क्या मादक पदार्थों के पैसे का इस्तेमाल कांग्रेस अपने प्रचार में कर रही है और क्या पार्टी का, कथित सरगना तुषार गोयल के साथ संबंध कारोबार तक भी है?

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

कैदियों को भी गरिमा के साथ जीने का अधिकार

- कोर्ट ने कई राज्यों के जेल मैनुअल नियमों को बताया असंवैधानिक
- भेदभावपूर्ण कानूनों की पहचान की जानी चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि 'सम्मान के साथ जीने का अधिकार कैदियों को भी है' और कैदियों को इससे वंचित करना उपनिवेशवादियों और उपनिवेश–पूर्व तंत्र दर्शाता है। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने गुरुवार को दिए गए ऐतिहासिक फैसले में यह टिप्पणी की। पीठ ने कैदियों के प्रति जाति आधारित भेदभाव, जैसे शारीरिक श्रम का विभाजन, बैरकों का विभाजन आदि पर रोक लगा दी। पीठ ने उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, केरल, महाराष्ट्र, कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश सहित 10 राज्यों के कुछ आपत्तिजनक जेल मैनुअल नियमों को असंवैधानिक करार दिया। सीजेआई ने 148 पन्नों का फैसला लिखते हुए संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता), 15 (भेदभाव का निषेध), 17 (अस्पृश्यता का उन्मूलन), 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार) और 23 (जबरन श्रम के खिलाफ अधिकार) के तहत मौलिक अधिकारों का जिक्र किया। अपने फैसले में पीठ ने कहा कि, श्सम्मान के साथ जीने का अधिकार कैदियों का भी है। कैदियों को सम्मान न देना उपनिवेशवादियों और पूर्व–औपनिवेशिक तंत्रों का अवशेष है, जहां दमनकारी व्यवस्थाएं राज्य के नियंत्रण में रहने वाले लोगों को अमानवीय और अपमानित करने के लिए डिज़ाइन की गई थीं। संविधान से पहले के युग के सत्तावादी शासन ने जेलों को न केवल कारावास के स्थान के रूप में देखा, बल्कि वर्चस्व के उपकरण के रूप में भी देखा। संविधान द्वारा लाए गए कानूनी ढांचे के आधार पर इस न्यायालय ने माना है कि कैदियों को भी सम्मान का अधिकार है।श फैसले में संविधान के अनुच्छेद 15 का भी उल्लेख किया गया है, जिसमें जाति, धर्म, भाषा आदि के आधार पर भेदभाव को प्रतिबंधित करता है। पीठ ने कहा कि अगर सरकार ही नागरिकों से भेदभाव करेगी तो यह सबसे बड़ा भेदभाव है, क्योंकि सरकार से उम्मीद की जाती है कि वह भेदभाव को खत्म करेगी। पीठ ने कहा कि श्इतिहास में, ऐसी भावनाओं ने कुछ समुदायों के नरसंहार को जन्म दिया है। भेदभाव से भेदभाव किए जाने वाले व्यक्ति का आत्म–सम्मान भी कम होता है। इससे अवसरों का अनुचित हनन हो सकता है और लोगों के एक समूह के खिलाफ लगातार हिंसा हो सकती है।

मिर्जापुर में ट्रक–ट्रैक्टर की भिड़ंत, दस मरे, तीन घायल

मिर्जापुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में मिर्जापुर जिले के कछवा थाना क्षेत्र में एक भीषण सड़क दुर्घटना में दस युवकों की मृत्यु हो गयी जबकि तीन अन्य गंभीर रुप से घायल हो गये। पुलिस सूत्रों ने बताया कि प्रयागराज–वाराणसी राजमार्ग पर कटका गांव के पास बीती रात करीब एक बजे यह हादसा उस समय हुआ जब श्रमिकों से भरी एक ट्रैक्टर ट्राली को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। इस हादसे में दस युवकों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि तीन अन्य गम्भीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों को वाराणसी ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है, जहां तीनों की हालत गम्भीर बातायी गयी। पुलिस अधीक्षक अभिनंदन ने शुक्रवार को बताया कि बीती रात लगभग एक बजे भदोही जिले तिउरी गांव से एक मकान के छत की ढलाई कर कुछ श्रमिक अपने घर वाराणसी की ओर ट्रैक्टर पर सवार होकर लौट रहे थे कि कछवा थाना क्षेत्र में प्रयागराज वाराणसी हाईवे पर औराई की आ रही एक अनियंत्रित ट्रक के बीच टक्कर हो गई। इस हादसे में मिर्जामुराद के सिंहपुर गांव निवासी भानू (25),विकास (30),बीरबलपुर गांव के अनिल (35), सूरज कुमार (22),सनोहर (25), राकेश कुमार (25), नितिन (22), रोशन कुमार (25), प्रेम कुमार (40) और राहुल कुमार (26) की घटना स्थल पर हो गई है। घायलों में आकाश (18),जमुनी (26) और अजय को वाराणसी इलाज के लिए भेजा गया है। डाक्टरों के अनुसार तीनों की स्थिति गंभीर है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि ट्रैक्टर ट्राली में को अनियंत्रित ट्रक ने पीछे से टक्कर मारी जिससे उसमें बैठे कुछ लोग सड़क पर गिरे और उन्हे ट्रक ने रौंद दिया जबकि कुछ लोग गढ्ढे में भी गिर गए थे। घटना के बाद गुस्साई भीड़ ने जाम लगा दिया। मौके पर खुद पुलिस अधीक्षक अभिनंदन सहित भारी संख्या में पुलिसबल पहुंच कर मामले को सम्हाला और नागरिकों को समझा बुझाकर कर शांत कराकर जाम खाली कराया।

मोदी ने मिर्जापुर सड़क हादसे पर जताया गहरा दुख

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले में हुए सड़क हादसे पर गहरा दुख जताया है और मृतकों के परिजनों के लिये दो–दो लाख रुपये की सहायता की घोषणा की है। श्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने पोस्ट में कहा, "उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले में सड़क हादसा अत्यंत पीड़ादायक है। इसमें जान गंवाने वालों के शोकाकुल परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं।

जयपुर एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी, सीआईएसएफ को भेजा गया धमकी भरा मेल

जयपुर। राजधानी जयपुर के एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया है। सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स (सीआईएसएफ) को एक धमकी भरा मेल मिला, जिसमें एयरपोर्ट को निशाना बनाने की बात कही गई। हाल के दिनों में यह तीसरी बार है, जब जयपुर को बम धमाकों की धमकी दी गई है। इससे पहले शहर के प्रमुख स्कूलों और रेलवे स्टेशन को निशाना बनाने की धमकियां मिल चुकी हैं। इस बार मिली धमकी का कंटेंट पिछले मेल्स से काफी अलग है, जो इसे और अधिक गंभीर बना रहा है। मेल में लिखा गया है, याद रखना, दुनिया के सबसे ताकतवर देशों से हमने अकेले टक्कर ली है। मैंने उनके अहंकार को तोड़ा है और उन्हें निराश किया है! इसके साथ ही मेल में धमकियों को बढ़ाते हुए कहा गया, बूम बूम और बड़े धमाके होंगे! मेल में धमकी देने वाले ने खुद को जय महाकाल और जय मां आदिशक्ति के नारे लगाते हुए संबोधित किया। मेल के अंत में लिखा गया, कोई रोक नहीं सकेगा, कोई बच नहीं पाएगा। खेल शुरू हो गया है।

बढ़ती बेरोजगारी को लेकर राहुल गांधी ने साधा भाजपा पर निशाना, बोले– 2 लाख पक्की नौकरियां देगी कांग्रेस सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को अपने एक्स पोस्ट के जरिए हरियाणा में बढ़ती बेरोजगारी, अपराध और नशीली दवाओं से संबंधित मुद्दों के लिए भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने विजय संकल्प यात्रा के दौरान लोगों के साथ अपने अनुभव और बातचीत साझा करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' का सहारा लिया। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा फैलाई गई बेरोज़गारी की बीमारी ने

हरियाणा की जड़ों, युवाओं के भविष्य और प्रदेश की सुरक्षा को गहरे संकट में डाल दिया है। राहुल ने हरियाणा के निवासियों के साथ अपनी बैठकों का विवरण दिया, जिन्होंने अपनी यात्रा के दौरान घर की बनी रोटियाँ साझा कीं और उन्हें राज्य की जटिल समस्याओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि भाजपा की फैलाई बेरोज़गारी की बीमारी ने हरियाणा की जड़ों, युवाओं के भविष्य और प्रदेश की सुरक्षा को गहरे संकट में डाल दिया है। हरियाणा की कुछ बहनों ने विजय संकल्प यात्रा के दौरान आश्रय दिया, बहुत प्यार से घर की रोटी खिलाई और साथ ही प्रदेश की जटिल समस्याएं समझाईं। आज, भारत में सबसे अधिक बेरोज़गारी हरियाणा में है। इसका कारण है – भाजपा ने एक दशक में प्रदेश के युवाओं को रोज़गार देने वाली हर प्रणाली की रीढ़ तोड़ दी है। राहुल ने अपने पोस्ट में दावा किया कि गलत ळैज और नोटबंदी से छोटे व्यापारों की कमर तोड़ दी।

महाकुंभ में बसों की तरह ट्रेनों के अंदर मिलेंगे रेल टिकट, टिकट काउंटर पर नहीं लगाई पड़ेगी लाइन

प्रयागराज। महाकुंभ के दौरान रेलवे प्रशासन इस बार एक विशेष व्यवस्था करने जा रहा है। रोडवेज बसों की तर्ज पर ट्रेनों के अंदर ही चेकिंग स्टाफ यात्रियों को अनारक्षित टिकट उपलब्ध करा देगा। इसका फायदा यह रहेगा कि उन्हें स्टेशन के अनारक्षित टिकट काउंटर पर लाइन में नहीं लगना पड़ेगी। मेले के दौरान इस बार देश–विदेश से लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। इसमें से अधिकांश का ट्रेनों के माध्यम से आवागमन होना है। इसी वजह से रेलवे यात्री सुविधाओं को लेकर तमाम इंतजाम कर रहा है। मेले के दौरान कई स्पेशल ट्रेनें भी चलाई जाएंगी। स्नान पर्व के दौरान स्टेशनों पर भीड़ को देखते हुए रेलवे ने तय किया है कि जनरल कोच या मेला स्पेशल में सफर करने वालों को ट्रेनों के अंदर ही टिकट मुहैया कराया जाएगा। फिलहाल, रेलवे ने महाकुंभ को देखते हुए टिकट चेकिंग स्टाफ को मोबाइल यूटीएस दिए जाने की तैयारी की है। साथ उन्हें एक छोटा प्रिंटर भी दिया जाएगा। जब यात्री ट्रेन में बैठ जाएंगे तो रोडवेज बस की तर्ज पर टीटीई उनके पास आकर उन्हें अनारक्षित टिकट मुहैया कराएंगे। खास बात है कि ट्रेनों के साथ ही प्रयागराज जंक्शन, प्रयागराज छिवकी, नैनी जंक्शन पर यात्रियों के लिए बनाए जा रहे यात्री आश्रयस्थल पर भी रेलवे का चेकिंग स्टाफ मोबाइल यूटीएस के माध्यम से यात्रियों को अनारक्षित टिकट मुहैया कराएगा। इस बारे में उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज मंडल के सीनियर डीसीएम हिमांशु शुक्ला का कहना है कि इस व्यवस्था से यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। टिकट के लिए उन्हें लाइन में लगने की जरूरत नहीं होगी। चेकिंग स्टाफ ही यात्रियों के समक्ष पहुंचकर उन्हें टिकट उपलब्ध कराएगा। महाकुंभ में रेलवे एक विशेष इंतजाम कर रहा है। यात्रियों को जनरल टिकट के लिए लाइन न लगानी पड़े इसके लिए मेला अवधि में जिन लोगों को प्रयागराज आना है उन्हें रिटर्न जनरल टिकट की सुविधा दी जाएगी। उदाहरण के लिए महाकुंभ मेला अवधि में अगर किसी यात्री को बरेली या देश के अन्य स्टेशन से किसी भी ट्रेन के जनरल कोच से प्रयागराज आना है तो उसे बरेली से प्रयागराज की जनरल टिकट तो मिलेगी ही साथ ही यात्री अगले 15 दिन के भीतर प्रयागराज से बरेली की वापसी टिकट भी उसी काउंटर से पूर्व में ही बुक करा सकेगा। यह विशेष व्यवस्था 09 जनवरी 2025 से 28 फरवरी 2025 तक प्रभावी रहेगी। इस दौरान देश के किसी भी रेलवे स्टेशन से प्रयागराज जंक्शन, प्रयागराज रामबाग, नैनी जंक्शन, सूबेदारगंज, प्रयागराज छिवकी, प्रयागराज संगम, प्रयाग जंक्शन, फाफामऊ जंक्शन, झूंसी, दारागंज, विंध्याचल की रिटर्न जनरल टिकट ले सकेंगे। हालांकि, अनारक्षित रिटर्न टिकट निरस्त करवाने पर रिफंड की सुविधा रेलवे नहीं देगा। प्रयागराज मंडल के पीआरओ अमित कुमार सिंह ने इसकी पुष्टि की है। महाकुंभ मेले में इस बार आरक्षित टिकट वाले यात्रियों को अनारक्षित टिकट वाले यात्रियों के साथ लाइन साझा नहीं करनी होगी। प्रयागराज जंक्शन पर रेलवे प्रशासन पहली बार आरक्षित टिकट वाले यात्रियों के लिए प्रवेश की अलग व्यवस्था करने जा रहा है। जंक्शन के सिटी साइड से आरक्षित टिकट वाले यात्रियों को प्रवेश देने के लिए अलग आश्रय स्थल बनाया जाएगा। पिछले कुंभ के दौरान प्रयागराज जंक्शन पर बनाए गए चार यात्री आश्रय स्थल से ही सभी यात्रियों को प्रवेश दिया जा रहा था। विशेष परिस्थिति में ही आरक्षित टिकट वाले यात्रियों को ऑफिसर रेस्ट हाउस वाले गेट से प्रवेश मिलता। इस व्यवस्था से आरक्षित टिकट वाले यात्रियों को काफी दिक्कत हुई। इसे देखते हुए महाकुंभ 2025 के लिए रेलवे प्रशासन ने तय किया है कि आरक्षित टिकट वाले यात्रियों के लिए प्रवेश का अलग रास्ता हो। इसके लिए सिटी साइड में एक अस्थायी यात्री आश्रय स्थल बनाया जाएगा। यहां से उन्हीं यात्रियों को प्रवेश दिया जाएगा जिनके पास आरक्षित टिकट होगा। बता दें कि महाकुंभ के दौरान मुंबई दुरंतो, प्रयागराज–अहमदाबाद, प्रयागराज–नई दिल्ली हमसफर, प्रयागराज–आनंद विहार हमसफर एक्सप्रेस, प्रयागराज–डा. अंबेडकरनगर एक्सप्रेस आदि ट्रेनों का संचालन प्रयागराज जंक्शन से ही होना है। इसके अलावा रूटीन की अन्य कई ट्रेनें भी प्रयागराज जंक्शन के रास्ते ही संचालित होंगी। इन ट्रेनों में प्रयागराज जंक्शन से ही सैकड़ों की संख्या में यात्रियों का रिजर्वेशन होना है। इसी वजह से इन ट्रेनों में जिन यात्रियों का रिजर्वेशन रहेगा, उन्हें अलग रास्ते से जंक्शन पर प्रवेश दिया जाएगा। वहीं दूसरी ओर इस बार प्रयागराज एक्सप्रेस और प्रयागराज– बीकानेर एक्सप्रेस का संचालन महाकुंभ मेला अवधि में सूबेदारगंज से होना है। इन दोनों ही ट्रेनों का आवागमन 50 दिनों तक सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन से ही होगा।

कपिलमुनि और सूरजभान करवरिया की पेरोल अवधि बढ़ी, 10 अक्तूबर तक रहेंगे बाहर

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पूर्व भाजपा विधायक नीलम करवरिया के क्रिया कर्म के लिए पूर्व सांसद कपिल मुनि

और पूर्व एमएलसी सूरजभान के पेरोल की अवधि को 10 अक्तूबर तक बढ़ा दिया है। दोनों भाई अब 10 अक्तूबर तक का पैरोल पर जेल से बाहर रहेंगे। न्यायमूर्ति अरविंद सिंह सांगवान एवं न्यायमूर्ति मोहम्मद अजहर हुसैन इदरीशी की खंडपीठ ने यह आदेश दिया है। अधिवक्ता सुरेश चंद्र द्विवेदी व सरकारी वकील ने पक्ष रख। अधिवक्ता द्विवेदी ने दलील दी कि हाल ही में न्यायमूर्ति राजीव गुप्ता एवं न्यायमूर्ति सुरेंद्र सिंह की खंडपीठ ने नीलम करवरिया के अंतिम संस्कार के लिए दोनों भाइयों को पुलिस हिरासत में 28 सितंबर से एक अक्तूबर तक अल्पकालिक जमानत दी थी।

निरीक्षण में चोक मिली नालियां, भरद्वाज आश्रम के पास भी खामियां

प्रयागराज। नगर निगम के काम का निरीक्षण करने निकले नगर आयुक्त चंद्र मोहन गर्ग को तमाम जगह खामियां मिली। लिंडिल रोड पर सीवर चोक व ओवर फ्लो के कारण जलभराव था। नाले में कूड़ा और प्लास्टिक मिला। महाप्रबंधक जलकल एवं अधिशाषी अभियंता जल निगम को मौके पर ही पंप लगवाकर सफाई कराने के लिए कहा। भरद्वाज आश्रम के पास तमाम खामियां और अतिक्रमण मिला। इसे हटाने के लिए कहा। जगह–जगह दुकानें लगी होने पर अफसरों को फटकार लगाई। इसके बाद अक्षयवट, छिवकी रेलवे स्टेशन के आसपास भी निरीक्षण किया।

दुर्गा पूजा देखने निकली बालिका की हत्या, खेत में मिला रक्त रंजित शव, दुष्कर्म की भी आशंका

प्रयागराज। सोरांव थाना क्षेत्र के उसरही गांव में सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां दुर्गा पूजा देखने के लिए घर से निकली आठ वर्षीय बालिका की हत्या कर दी गई। वह बृहस्पतिवार

शाम को घर से निकली थी और फिर इसके बाद उसका कुछ पता नहीं चला। घरवाले रात भर खोजबीन में जुटे रहे। शुक्रवार की सुबह घर से 200 मीटर दूर स्थित खेत में उसका शव रक्तरंजित शव मिला। शव की हालत देखकर दुष्कर्म की भी आशंका जताई जा रही है। पुलिस मौके पर पहुंच गई है और फोरेंसिक टीम व डॉग स्क्वॉड को बुलाया गया है। घटना के बाद डॉग स्क्वॉयड और फोरेंसिक टीम ने पहुंचकर साक्ष्य संकलन किया। परिवार के लोगों से पूछताछ की जा रही है। शक के आधार पर पुलिस ने कई आरोपियों को चिन्हित किया है। अधिकारियों ने पहुंचकर घटना स्थल का जायजा लिया।

मंडलायुक्त ने पीडीए से मांगा स्पष्टीकरण, बिल्डर को दी चेतावनी

प्रयागराज। पुष्प गंगा एक्सोटिका अपार्टमेंट के निवासियों की ओर से बिल्डर के खिलाफ मुख्यमंत्री पोर्टल पर 150 से अधिक शिकायतें दर्ज किए जाने के बाद, मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने मामले का संज्ञान लिया है। शिकायतों में बिल्डर की ओर से अपार्टमेंट की सुविधाओं में अनियमितताएं और अधूरे निर्माण के आरोप लगाए गए हैं। प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) ने 22 सितंबर को अपार्टमेंट का निरीक्षण किया, जिसमें तमाम अनियमितताएं और अधूरे कार्य पाए गए। बावजूद इसके पीडीए की ओर से दो साल पहले 2022 में ही पूर्णता प्रमाण पत्र प्रदान कर दिया गया था। इस पर मंडलायुक्त ने पीडीए से स्पष्टीकरण मांगा है और मामले की जांच के आदेश दिए हैं। साथ ही, जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई करने का निर्देश भी दिया गया है। निवासियों ने बिल्डर पर वादा की गई सुविधाएं जैसे सीसीटीवी कैमरा, इंटरकॉम सिस्टम, गेस्ट पार्किंग, और अन्य महत्वपूर्ण सुविधाएं प्रदान न करने का आरोप लगाया है। इसके अलावा, अपार्टमेंट के बेसमेंट और पार्किंग एरिया में भी कई कार्य अधूरे हैं, जिससे निवासियों को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। बिल्डर पर यह भी आरोप है कि उन्होंने नगर निगम में म्यूटेशन न करवाकर रजिस्ट्री प्रक्रिया को बाधित किया है। कमिश्नर ने पीडीए को 10 अक्टूबर तक अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया है।

मां-भाई के सामने मनसैता नदी में समाया युवक

प्रयागराज। मां और भाई के साथ मनसैता नदी में कपड़ा धुलाई करने गए युवक की नहाने के दौरान चेक डैम में डूबने से मौत हो गई। थरवई पुलिस ने गोताखोरों की मदद से पांच घंटे बाद लाश को बाहर निकलवाया और पोस्टमार्टम कर लिए भेज दिया। थरवई थाना के डेरागदाई गांव के श्याम कनौजिया का 17 वर्षीय बेटा मनमोहन अपनी मां गुड्डी देवी और भाई मन मोहित के साथ गांव के सामने मनसैता नदी में शुक्रवार सुबह करीब आठ बजे ग्राहकों का कपड़ा धुलने गया था। कपड़ा धुलने के बाद मनमोहन नदी में बने चेक डैम में नहाने लगा। पानी की तेज धारा और गहराई अधिक होने की वजह से मनमोहन अपनी मां और भाई के सामने पानी में समा गया। दोनों ने शोर मचाया तो आसपास के लोग दौड़कर पहुंचे। पानी की गहराई अधिक होने की वजह से कोई उतरने की हिम्मत नहीं जुटा पाया। पुलिस ने शहर से गोताखोरों को बुलाकर दोपहर करीब एक बजे लाश को बाहर निकलवाया। यह देखकर परिजन बिलख पड़े। पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मनमोहन तीन भाइयों में दूसरे स्थान पर था और हाईस्कूल का छात्र भी था। इंस्पेक्टर थरवई अरबिंद गौतम का कहना है कि एक युवक अपनी मां और भाई के साथ मनसैता नदी में ग्राहकों का कपड़ा धुलने गया था।

लंबे समय तक चला संबंध दुष्कर्म नहीं, कोर्ट ने आरोपी के खिलाफ दर्ज मुकदमा किया रद्द

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में दुष्कर्म और जबरन वसूली के आरोपी के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही रद्द कर दी। कहा कि 12 साल से अधिक समय तक सहमति से चलने वाले संबंध को केवल शादी करने के वादे के उल्लंघन के आधार पर दुष्कर्म नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने दुष्कर्म व जबरन वसूली की धाराओं में दर्ज मुकदमे की पूरी कार्यवाही की रद्द कर दी। न्यायमूर्ति अनीश कुमार गुप्ता ने यह निर्णय श्रेय गुप्ता की याचिका पर दिया है। कोर्ट ने कहा आरोप लगाने वाली पीड़िता विवाहित महिला है और उसके दो बड़े बच्चे थे। उसका पति भी जीवित था। उसने अपने पति की गंभीर बीमारी के कारण आवेदक के प्रति आकर्षित हो गई। लंबे समय तक वह आवेदक के साथ संबंध में रही। जबकि, उसे पता था कि पति के रहते वह आवेदक से शादी नहीं कर सकती। पीड़िता का यह आरोप कि आवेदक ने उसके पति की मृत्यु के बाद उससे शादी का वादा कर संबंध बनाया था। यह बेकार का बहाना है। कानून की नजर में यह कोई वादा नहीं था। पीड़िता परिपक्व महिला है और उसने जानबूझकर इस तरह के रिश्ते में प्रवेश किया। मुरादाबाद के महिला थाना में पीड़िता ने 2018 में श्रेय गुप्ता पर दुष्कर्म व जबरन वसूली की धारा में मुकदमा दर्ज कराया था। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि आवेदक ने उसके पति के गंभीर रूप से बीमार होने के दौरान उसके साथ शारीरिक संबंध बनाया और पति की मृत्यु के बाद उससे शादी का वादा किया था। पीड़िता के अनुसार पति के गुजर जाने के बाद भी यह रिश्ता जारी रहा। बाद में याची ने 2017 में दूसरी महिला से सगाई कर ली। ट्रायल कोर्ट ने चार्जशीट का संज्ञान लेते हुए समन आदेश जारी किया था। इसे आवेदक ने हाईकोर्ट में चुनौती दी। दाखिल आरोप पत्र को रद्द करने की मांग की थी।

जीआईसी में शिक्षक भर्ती के लिए समकक्ष अर्हता हटी, जल्द शुरू होगी शिक्षक भर्ती

प्रयागराज। राजकीय इंटर कॉलेजों में सहायक अध्यापक और प्रवक्ता भर्ती के लिए समकक्ष अर्हता का विवाद सुलझ गया है। अब अर्हता से समकक्षता हटा दी गई है। शिक्षा निदेशालय ने अर्हता विवाद को सुलझाते हुए उसे स्वीकृति के लिए उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) को भेज दिया है। स्वीकृति होने के बाद शिक्षक भर्ती प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। राजकीय विद्यालयों में सहायक अध्यापक और प्रवक्ता के करीब सात हजार पद रिक्त हैं। इन पदों पर भर्ती के लिए शिक्षा निदेशालय से यूपीपीएससी को अधियाचन भेजा गया था। यूपीपीएससी ने शिक्षा निदेशालय को शिक्षक की समकक्ष अर्हता स्पष्ट करने को कहा था। समकक्ष अर्हता को लेकर कई बार विवाद हो चुका था। ऐसे मामले हाईकोर्ट तक पहुंच चुके थे। पदों के सापेक्ष अर्हता का निर्धारण विभाग करता है। भर्ती के बाद अर्हता का विवाद कोर्ट गया तो आयोग को जवाब देना मुश्किल हो जाता था। इसलिए आयोग ने 2021 में हुई भर्ती के बाद से आए अधियाचन को लौटा दिया। उसके बाद से यह मामला शासन और शिक्षा निदेशालय के बीच लंबित था। इस मामले को लेकर कई दौर की बैठक हुई। उसके बाद शिक्षकों की भर्ती के लिए निर्धारित अर्हता से समकक्ष शब्द ही हटा दिया गया है। अपर निदेशक राजकीय अजय द्विवेदी ने बताया कि विधि द्वारा स्थापित विश्वविद्यालयों की डिग्री शिक्षक भर्ती के लिए मान्य होगी। इसके अलावा विषय वार पद के लिए अर्हता स्पष्ट रहेगी। उन्होंने बताया कि अब पद के सापेक्ष अर्हता स्पष्ट कर दी गई है। इसलिए विवाद नहीं होगा। अर्हता से समकक्षता हटा दिया गया है और यूपीपीएससी से उसकी स्वीकृति का इंतजार है। स्वीकृति मिलने के बाद अधियाचन भेज दिया जाएगा।

प्रयागराज में यति नरसिंहानंद के विवादित बयान का विरोध:मुस्लिम तंजीमों ने कहा– हम पैंगबर मोहम्मद के लिए कुर्बानी देने को तैयार, गिरफ्तारी करे सरकार

प्रयागराज। गाजियाबाद में डासना देवी मंदिर के पीठाधीश्वर और महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरीश ने विवादित बयान दिया है। इसको लेकर मुस्लिम समुदाय ने आक्रोश जाहिर किया है। यति नरसिंहानंद गिरीश ने पैगंबर मोहम्मद को लेकर बयान दिया है। दरअसल, 29 सितंबर को गाजियाबाद के लोहियानगर के हिंदी भवन में कार्यक्रम हुआ। अमर बलिदानी मेजर आसाराम व्याग सेवा संस्थान ने इस कार्यक्रम को आयोजित किया था। इसी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यति नरसिंहानंद गिरीश ने बयान दिया। सना देवी मंदिर के पीठाधीश्वर और महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरि ने कहा– हम कभी धर्म को समझे ही नहीं। इन्होंने देशों, राष्ट्रों की बात की। उनके पास न एक देश है, न एक राष्ट्र है। जो अपने धर्म पर अडिग रहे, उनके सबके देख लो...कितने राष्ट्र और कितने देश हैं। असल में इस वीडियो में यति नरसिंहानंद सीधे पैगंबर इस्लाम रसूल मोहम्मद को लेकर विवादित बयान दे रहे हैं। इससे पहले पैगंबर पर बयान देने को लेकर देशभर में विरोध प्रदर्शन हो चुके हैं। यति नरसिंहानंद के अब तक के वीडियो और विवादित बयानों में इसे सबसे खतरनाक बताया जा रहा है। खासकर ऑल इंडिया मजलिस–ए–इत्तेहादुल मुस्लिमीन यानि ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने इस पर कड़ा विरोध जताते हुए देशभर में विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया है। एआईएमआईएम के प्रवक्ता अफसर महमूद का कहना है कि पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली ने कड़ा विरोध जताते हुए गिरफ्तारी की मांग की है। इस मामले पर आंदोलन की तैयारी में है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश अध्यक्ष महताब चौहान का कहना है कि पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में माहौल गर्म करने की कोशिश की गई है। गिरफ्तारी की मांग को लेकर सड़क पर उतरेंगे।

90 दिन के लिए शुरू हुआ मिशन शक्ति अभियान, डीएम ने परखीं तैयारियां

प्रयागराज। नारी सुरक्षा को लेकर प्रदेश सरकार के मिशन शक्ति–05 की शुरुआत गुरुवार से हो गई। 90 दिनों तक चलने वाले इस कार्यक्रम की समीक्षा जिलाधिकारी रवींद्र कुमार मांदड़ ने गुरुवार को संगम सभागार में की। उन्होंने डीपीओ को सभी जरूरी कदम उठाने के लिए कहा। डीपीओ सर्वजीत सिंह ने मिशन शक्ति के अभियान की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि गृह विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, युवा कल्याण विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग, माध्यमिक शिक्षा विभाग, उच्च शिक्षा, नगर विकास विभाग, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, संस्कृति विभाग, पंचायतीराज विभाग, ग्राम्य विकास विभाग, राजस्व विभाग के मिशन शक्ति के कार्यक्रमों की जानकारी दी गई है। डीएम ने दुर्गापूजा प्रतिमा विसर्जन स्थल की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने डेंगू के मामलों में साफ सफाई और एंटी लार्वा के छिड़काव के निर्देश दिए। खंड विकास अधिकारियों को निर्देश दिया कि वो लगातार भ्रमण शील रहें। गोवंश आश्रयम स्थल के बारे में डीडीओ ने बताया कि कुछ निराश्रित गोवंश आश्रय स्थल में चिकित्साधिकारी व स्टाफ की कमी है। डीएम ने इस पर जरूरी कार्रवाई के निर्देश दिए। इस दौरान सीडीओ गौरव कुमार, एडीएम प्रशासन पूजा मिश्रा, एडीएम सिटी मदन कुमार, सीआरओ कुंवर पंकज आदि मौजूद रहे।

हंडिया तहसील के छतौना गांव को नो ड्रोन जोन बनाने के लिए होगा सर्वे

प्रयागराज। हंडिया तहसील के छतौना गांव को नो ड्रोन जोन बनाने के लिए सर्वे होगा। इस गांव में आईओसीएल के काम के कारण कंपनी की ओर से गांव को नो ड्रोन जोन करने का पत्र जिलाधिकारी रवींद्र कुमार मांदड़ को दिया गया था। डीएम ने इस पर संबंधित एसडीएम और एसीपी से संयुक्त रिपोर्ट मांगी है, जिसके बाद इस गांव को नो ड्रोन जोन घोषित किया जा सकता है। इस गांव में आईओसीएल की ओर से इकाई को स्थापित करने की बात है। जिसके कारण कंपनी की ओर से सुरक्षा के मद्देनजर डीएम को इसका पत्र भेजा गया था। जिलाधिकारी रवींद्र कुमार मांदड़ ने बताया कि इसका पत्र आया था। फिलहाल सत्यापन के लिए कहा है। सत्यापन के बाद इस पर आगे कार्रवाई की जाएगी।

महाकुम्भ में जंक्शन पर आरक्षित टिकट वालों को अलग से मिलेगा प्रवेश

प्रयागराज। महाकुम्भ 2025 में प्रयागराज जंक्शन से ट्रेन पकड़ने के लिए आरक्षित और अनारक्षित टिकट धारकों के रास्ते एकदम अलग होंगे। पहली बार रेलवे यह व्यवस्था करने जा रहा है। इसके तहत एक अलग यात्री आश्रय स्थल होगा, जिससे आरक्षित यात्रियों को प्रवेश दिया जाएगा। पिछले कुम्भ के दौरान प्रयागराज जंक्शन पर बनाए गए चार यात्री आश्रय स्थल से ही सभी यात्रियों को प्रवेश दिया जा रहा था। आरक्षित टिकट वालों को विशेष परिस्थितियों में ऑफिसर्स रेस्ट हाउस से प्रवेश दिया गया। इससे नियमित ट्रेन से सफर करने वाले मुसाफिरों को बहुत परेशानी हुई। नियमित ट्रेन में रिजर्वेशन कराने वाले यात्रियों की शिकायत यह थी कि उन्हें समय पर प्रवेश नहीं मिल पाता। भीड़ अधिक होने के कारण कई बार ट्रेन छूटने की स्थिति हो जाती थी, जिसके बाद उत्तर मध्य रेलवे प्रशासन ने इसके लिए अलग से तैयारी की है। यात्री आश्रय स्थलों के अतिरिक्त एक अलग यात्री आश्रय स्थल बनाया जाएगा, जिससे नियमित रिजर्वेशन वाले मुसाफिरों को सहजता से स्टेशन में प्रवेश मिल सकेगा।

दर्शन के साथ मुंडन-छेदन कराने पहुंचे देवी दरबार

प्रयागराज। शारदीय नवरात्र का दूसरा दिन शुक्रवार होने की वजह से सुबह से ही शक्तिपीठ मंदिरों में मां भगवती का दर्शन करने वालों की भीड़ जुटी रही। मंगलाआरती के बाद कपाट खुलते ही मां अलोपशंकरी और मां कल्याणी देवी मंदिर के परिसर में तो द्वितीया तिथि पर सबसे ज्यादा ऐसे परिजनों की भीड़ देखी गई जो अपने बच्चों का मुंडन व कर्णछेदन संस्कार कराने के लिए दरबार में पहुंचे। पुरोहितों के आचार्यत्व में परिजनों ने अपने बच्चों का संस्कार कराया। उसके बाद मां के दरबार में मत्था टेकते रहे। यह सिलसिला दस बजे तक मंदिरों में सर्वाधिक देखा गया।

बाइकों की भिड़ंत में युवक घायल, केस

कौशाम्बी। थाना क्षेत्र के श्यामपुर उर्फ मल्हीपुर गांव की रंजना देवी ने बताया कि गुरुवार की दोपहर वह अपने पति विश्राम के साथ सात वर्षीय बेटे राम प्रकाश का इलाज कराने बाइक से सरायअकिल जा रही थी। रास्ते में बिन्नई मोड़ के पास विपरीत दिशा से आए बाइक सवार आशीष पुत्र दशरथ निवासी केवट का पूरवा ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। पीड़िता के मुताबिक बाइक चला रहे उसके पति को गंभीर चोट आई है। प्रयागराज के निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने पीड़ित महिला की तहरीर पर केस दर्ज कर लिया है।

हंडिया तहसील के छतौना गांव को नो ड्रोन जोन बनाने के लिए होगा सर्वे

प्रयागराज। हंडिया तहसील के छतौना गांव को नो ड्रोन जोन बनाने के लिए सर्वे होगा। इस गांव में आईओसीएल के काम के कारण कंपनी की ओर से गांव को नो ड्रोन जोन करने का पत्र जिलाधिकारी रवींद्र कुमार मांदड़ को दिया गया था। डीएम ने इस पर संबंधित एसडीएम और एसीपी से संयुक्त रिपोर्ट मांगी है, जिसके बाद इस गांव को नो ड्रोन जोन घोषित किया जा सकता है। इस गांव में आईओसीएल की ओर से इकाई को स्थापित करने की बात है। जिसके कारण कंपनी की ओर से सुरक्षा के मद्देनजर डीएम को इसका पत्र भेजा गया था। जिलाधिकारी रवींद्र कुमार मांदड़ ने बताया कि इसका पत्र आया था। फिलहाल सत्यापन के लिए कहा है। सत्यापन के बाद इस पर आगे कार्रवाई की जाएगी।

आरेडिका ने ऐहार गाँव में किया ग्राम चौपाल का आयोजन

रायबरेली। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना रायबरेली के कर्मिक विभाग द्वारा स्वच्छता पखवाडे के तहत (स्वच्छता ही सेवा मिशन 4.0) आरेडिका के आस–पास के गाँवों में स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाने के लिए प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी रूपेश श्रीवास्तव के नेतृत्व में ग्राम चौपालों का आयोजन किया जा रहा है।

आज दिनांक 04.10.2024 को ऐहार गाँव में बाल्हेश्वर मन्दिर के निकट ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमें जल संरक्षण, ऊर्जा संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण के प्रति ग्रामीणों को जागरूक किया गया। इस ग्राम चौपाल में बड़ी संख्या में महिलाओं, बच्चों, एवं किसानों ने भाग लिया। स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाने के लिए गाँव वासियों का स्वस्थ्य परीक्षण भी आरेडिका के चिकित्सालय द्वारा किया गया।

आरेडिका एवं फोर्ज्ड व्हील प्लाण्ट में आईसीएफ के महाप्रबंधाक का दौरा

आईसीएफ के महाप्रबंधक यू. सुब्बा राव ने दिनांक–04.10.2024 को फोर्ज्ड व्हील प्लाण्टध् आरेडिका का दौरा किया। राव ने आरेडिका के मिश्रा तथा उच्च अधिकारियों फोर्ज्ड व्हीलों के निर्माण पर

महाप्रबंधक श्री प्रशान्त कुमार के साथ कोच उत्पादन एवं चर्चा की।

आईसीएफ के महाप्रबंधक ने फोर्ज्ड व्हील फैक्ट्री का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आरेडिका के सीएओ संजय कुमार कटियार एवं व्हील फैक्ट्री के अधिकारियों ने कच्चे माल से लेकर फोर्ज्ड व्हीलों के निर्माण के सभी चरणों एवं गुणवत्ता संबंधित मानकों के बारे में विचार विमर्श किया।

इस अवसर पर आरेडिका के सीएओ संजय कुमार कटियार, पीसीएमई विवेक खरे, पीसीएमएम राजीव खण्डेलवाल व्हील फैक्ट्री के वरिष्ठ अधिकारी श्री सदानन्द सरकार सहित उच्च अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुलिस मुठभेड़ में तस्कर गिरफ्तार, नशीला इंजेक्शन लगने के बाद गौवंश का करता था वध

लखनऊ, एजेंसी। मलिहाबाद कोतवाली अंतर्गत चोरी–छिपे गौवंशीय पशुओं को नशील इंजेक्शन लगाकर बेसुध हालत में उनका वध करने वाले तस्कर को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। इस दौरान पुलिस ने तस्कर के पैर पर गोली मारकर उसे धर दबोचा। पुलिस को तस्कर के पास से एक कार भी मिली है। फिलहाल, जख्मी तस्कर को लोकबंधु अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेजा जाएगा। गौरतलब है कि 30 सितम्बर की शाम करीब 07रू10 बजे लखनऊ–हरदोई राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोहरामऊ गांव के बाहर झाड़ियों में एक गौवंश का मिला। पशु की गर्दन धड़ से अलग थी, जिसे तस्कर अपने साथ लेकर चले गए थे। तस्करों ने अंधेरे का फायदा उठाते हुए पशु का वध कर किया था। इसके बाद पुलिस से पुलिस तस्करों की तलाश में दबिश दे रही थी। डीसीपी पश्चिम ओमवीर सिंह ने बताया कि गुरुवार रात करीब दो बजे ग्रामीणों को बड़ी गढ़ी गांव के पास गोकशी करने की सूचना मिली। ग्रामीणों की सूचना मिलते ही पुलिस ने तीन तस्करों को घेर लिया, इसी बीच तस्कर पुलिस टीम पर फायरिंग करने लगे। जबावी फायरिंग में पुलिस ने हरदोई जनपद के संडीला थाना अंतर्गत झबनियां गांव निवासी इस्तियाक के पैर पर गोली मार उसको पकड़ लिया। जबकि उसके साथी वसीम, सूफियान और मो. अहमद अंधेरे में भाग निकले। पूछताछ के दौरान आरोपित ने गौकशी का जुर्म स्वीकार किया है। डीसीपी ने बताया कि आरोपित के पास पुलिस ने एक नशीला इजेंक्शन और एक कार भी जब्त की है। पूछताछ में आरोपित ने बताया कि वह गौवंशी पशुओं को नशीला इंजेक्शन लगाकर उनका वध कर देता था। एसीपी मलिहाबाद धर्मेंद्र रघुवंशी ने बताया कि घायल तस्कर को लोकबंधु अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेजा जाएगा। पूर्व में इस्तियाक के खिलाफ मलिहाबाद कोतवाली में गोवध अधिनियम और आर्म्स एक्ट की धारा में प्राथमिकी दर्ज की है। बताया कि आरोपित की निशानदेही पर पुलिस उसके साथियों की तलाश में उनके संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

पत्नी ने जहर खाकर जान दी, पति की लाश फंदे पर लटकती मिली

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ में पति–पत्नी ने सुसाइड कर लिया है। पत्नी ने जहर खाकर जान दी। पति की लाश फांसी के फंदे पर लटकती मिली। बताया जा रहा है कि पत्नी को फर्श पर बेसुध गिरा देखकर पति फांसी के फंदे से लटक गया। घटना ठाकुरगंज थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक, दोनों की पहचान मोनिका अरोड़ा (47) और अमित आर्य (45) के रूप में हुई है। दोनों का कोई बच्चा नहीं है। पुलिस ने बताया कि अमित आर्य का शव पंखे से लटकता मिला, जबकि मोनिका अरोड़ा का शव बेड पर पड़ा हुआ था। पुलिस ने बताया कि दोनों के मुंह और कपड़ों पर झाग लगा हुआ था। शवों के पास से जहरीला पदार्थ और शराब की एक बोतल भी मिली है। अमित आर्य रिक्शा चालक था, जबकि मोनिका अरोड़ा लंबे समय से बीमार थी। महिला गूंगा–बहरा स्कूल, मिश्री बाग ठाकुरगंज में काम करती थी। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। घर के दरवाजे तोड़कर शवों को बाहर निकाला गया। साथ ही, फोरेंसिक टीम को बुलाकर मामले की जांच शुरू की गई। पुलिस के अनुसार, मोनिका अरोड़ा किडनी की गंभीर बीमारी से जूझ रही थीं और यह बीमारी ही आत्महत्या का कारण हो सकती है। जानकारी के मुताबिक मोनिका अरोड़ा लंबे समय से बीमार चल रही थीं, जिसके इलाज में काफी पैसा लग रहा था। इस घटना के पीछे दंपत्ति की आर्थिक तंगी और बीमारी की भूमिका हो सकती है। पुलिस मामले की जांच कर रही है, लेकिन प्रारंभिक जांच में इन्हीं कारणों को आत्महत्या की वजह माना जा रहा है। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है, जिससे आत्महत्या के पीछे के कारणों का पता चल सके। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एडडीसीपी विश्वजीत श्रीवास्तव का कहना है कि फांसी लगाने का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नवरात्रि के दूसरे दिन,झालरों और फूलों से सजाया गया काली बाड़ी मंदिर

लखनऊ, एजेंसी। नवरात्रि के पावन अवसर पर कैसरबाग के घसियारी मंडी स्थित 162 साल पुराना काली बाड़ी मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। यह मंदिर देवी काली की दिव्य शक्ति का प्रतीक है। जहां पर मां की बैठी हुई मुद्रा में अद्वितीय मूर्ति स्थापित है। काली बाड़ी मंदिर की स्थापना 162 वर्ष पूर्व प्रसिद्ध तांत्रिक मधुसूदन मुखर्जी द्वारा की गई थी। उन्हें मां काली की मूर्ति की कल्पना दिव्य स्वप्न के माध्यम से मिली। इस मूर्ति में देवी काली पंच मुंड के आसन पर विराजमान हैं और भगवान शिव निष्क्रिय रूप में उनके पैरों में स्थित हैं। इस मंदिर का अनूठा स्थापत्य और दिव्य वातावरण श्रद्धालुओं को विशेष रूप से आकर्षित करता है। मंदिर वर्षों से लखनऊ और आसपास के लोगों की आस्था का केंद्र बना हुआ है। मंदिर सिर्फ धार्मिक गतिविधियों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक विकास कार्यों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मंदिर ट्रस्ट और मैनेजिंग कमेटी द्वारा समय–समय पर विभिन्न सामाजिक कार्य किए जाते हैं, जिनमें जरूरतमंदों की सहायता और अन्य सामाजिक गतिविधियों का समावेश होता है।

लोकपाल के समक्ष पत्रावली के साथ प्रस्तुत हुए चमरूपुर शुक्लान के रोजगार सेवक व शिकायतकर्ता

शिकायतकर्ता पवन शुक्ल को ग्राम के मनरेगा कार्यों की निगरानी का दिया दायित्व

बीजेपी के आई टी सेल के संयोजक पंकज सिंह व पत्रकार अनूप उपाध्याय ने मनरेगा योजना के सुधार हेतु किया संवाद

प्रतापगढ़। लोकपाल मनरेगा समाज शेखर की जन सुनवाई व संवाद कार्यक्रम में विभिन्न व्यक्तियों व मनरेगा कर्मियो ने प्रतिभाग करके अपना पक्ष व बयान प्रस्तुत कर संवाद स्थापित किया। बीजेपी के आई टी सेल के संयोजक पंकज सिंह व वरिष्ठ पत्रकार अनूप उपाध्याय ने मनरेगा योजना के सुधार हेतु चर्चा करके अपने सुझाव दिये। लोकपाल के समक्ष लक्ष्मणपुर ब्लाक के चमरुपुर शुक्लान के रोजगार सेवक व शिकायतकर्ता प्रस्तुत हुए और पत्रावली का अवलोकन कराया और अपना पक्ष प्रस्तुत किया।

लोकपाल मनरेगा समाज शेखर की प्रत्येक मंगलवार व शुक्रवार को होने वाली जन सुनवाई का असर सुदूर गाँव तक अपना प्रभाव डालना शुरू किया है। इसी कड़ी में चमरुपुर शुक्लान ग्राम में शिकायत कर्ता समाजसेवी पावन शुक्ल को ग्राम में मनरेगा कार्यो की निगरानी हेतु जिम्मेदारी दी। लोकपाल ने कहा की ग्राम पंचायत के साथ मिलकर ग्राम की योजनाओ में सहभागिता व जन भागीदारी के साथ पारदर्शी कार्यो हेतु जन निगरानी इमानदारी के साथ सुनिश्चित की जाए। साथ ही समय समय पर लोकपाल कार्यालय को रिपोर्ट से अवगत कराया जाए। वहीं प्रधान प्रतिनिधि राजेंद्र मौर्य व रोजगार सेवक अजय तिवारी को निर्देश दिया की स्थलीय निरीक्षण के दौरान दिये गए सुझाव व निर्देशों का नियमानुसार अनुपालन पंचायत

द्वारा कराके आख्या से अवगत कराया जाए।

वहीं सामाजिक कार्यकर्ता श्लोक मिश्र व योगेश तिवारी ने मोक्षदा जल धारा के पुनरोद्धार के अवशेष कार्यो के हेतु स्थलीय भ्रमण कर संबंधित ग्राम पंचायतो के माध्यम से कार्य कराये जाने की बात की। जिस पर लोकपाल ने जल्द ब्लाक के अधिकारियो के साथ कार्यक्रम बनाये जाने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर दुर्गेश तिवारी ने सहयोग प्रदान किया।

अखिल भारतीय केसरवानी वैश्य महासभा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष गौरीशंकर जी का अस्थि कलश आया प्रयागराज और किया गया संगम में प्रवाहित

वैश्य समाज के लोगों ने अस्थि कलश पर पुष्प चढ़ाकर दी भावभीनी श्रद्धांजलि

प्रयागराज सअखिल भारतीय केसरवानी वैश्य महासभा के संरक्षक व पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वर्गीय गौरी शंकर केसरवानी,अमरावती, महाराष्ट्र का अस्थि कलश

उनके चचेरे भाई संतोष कुमार केसरवानी, भतीजा गौरव केसरवानी, रिश्तेदार अरविंद केसरवानी, बैजनाथ केसरवानी अपने और अन्य मित्रों के साथ अमरावती से लेकर सुबह प्रयागराज पहुंचे। सुबह 7 बजे अस्थि कलश को दर्शनार्थ एवं पुष्पांजलि अर्पित करने हेतु केंद्रीय कार्यालय 20 मीरगंज चौक, प्रयागराज केसर विद्यापीठ के प्रांगण में रखा गया। तदोपरांत हस्ती कलश का विसर्जन संगम में उनके परिजनों के द्वारा प्रवाहित किया गया।

पुष्पांजलि कार्यक्रम में राष्ट्रीय संरक्षक शिवकुमार वैश्य, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष सतीश चन्द्र केसरवानी, राष्ट्रीय प्रबंध मंत्री विनोद कुमार एडवोकेट, केसर विद्यापीठ के प्रबंधक डॉक्टर ओपी गुप्ता, प्रदेश अध्यक्ष तीर्थराज गुप्ता, प्रदेश महामंत्री प्रमिल केसरवानी, प्रदेश मंत्री अशोक कुमार गुप्ता, प्रदेश मीडिया प्रभारी राजेश कुमार केसरवानी, जिलाध्यक्ष–प्रयागराज नारायन केसरवानी, प्रयागराज नगर मंत्री राजेश कुमार केसरवानी, नगर कोषाध्यक्ष सुरेश चन्द्र केसरवानी, धर्मेन्द्र केसरवानी , संतोष कुमार केसरवानी, अंशू केसरवानी, अनिल कुमार केसरवानी, नितेश कुमार गुप्ता सहित समाज के अन्य लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित किया।

छात्राओ ने वर्ष 2024 मे राजनीतिक जगत मे घटित घटनाओ को पोस्टर के माध्यम से प्रस्तुत किया

लखनऊ, एजेंसी। आज नवयुग कन्या महाविद्यालय के राजनीति शास्त्र विभाग द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता भारतीय राजनीतिक परिदृश्य–2024, निबंध प्रतियोगिता समान नागरिक संहिता के कार्यान्वयन मे चुनौतियाँ तथा समसामयिक विषयो पर वाक् प्रतियोगिता एवं विश्व के प्रमुख संविधानो पर आधारित पीपीटी आयोजित किया गया। पोस्टर प्रतियोगिता मे प्रतिभागी छात्राओ ने वर्ष 2024 मे राजनीतिक जगत मे घटित घटनाओ को पोस्टर के माध्यम से प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता मे अंजली वर्मा प्रथम स्थान, प्रियाशी द्वितीय स्थान, तथा तृतीय स्थान परअंगीरा नाग, अग्रणी रही।प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल की सदस्य प्रो नीतू सिह, डा अंजुला कुमारी अर्थशास्त्र विभाग) रही। निबंध प्रतियोगिता मे छात्राओ ने समान नागरिक संहिता के कार्यान्वयन मे चुनौतियाँ को अपनी लेखनी के माध्यम से अभिव्यक्त करने का प्रयास किया।प्रतियोगिता मे अलका मिश्रा एव सिमरन प्रथम, गुरविंदर कौर द्वितीय, अमिषा द्विवेदी तृतीय स्थान, नेहा कुमारीको सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। निबंध प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल के सदस्य डा नेहा कुमारी एव नीलम(शिक्षाशास्त्र विभाग) रही। वाक् प्रतियोगिता मे छात्राओ ने महिला आरक्षण, एआई,समान नागरिक संहिता, विकसित भारत,वन नेशन वन इलेकशन,आदि विषयो पर विचार अभिव्यक्त किए। नेहा कुमारी प्रथम, अमिषा द्विवेदी द्वितीय, गुरविंदर कौर,सिमरन तृतीय स्थान पर रहीतथा शाम्भवी गुप्ता को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ।

प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल की सदस्य डा अपर्णा राय एव डा नेहा कुमारी (समाजशास्त्र विभाग)रही। विश्व के प्रमुख संविधानो (ब्रिटेन, भारत, अमेरिका, तथा फ्रास)की प्रमुख विशेषताओ एव संवैधानिक संस्थाओ को छात्राओ ने पीपीटी के माध्यम से समझाने का प्रयास किया। प्रो शर्मिता नंदी (विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र विभाग)डा विनीता सिह (विभागाध्यक्ष समाज शास्त्र विभाग) निर्णायक मंडल की सदस्य रही। प्रतियोगिता मे अंजली जायसवाल, अमिषा द्विवेदी प्रथम, निकिता द्वितीय, तथा कलश भास्कर, रश्मि सिह तृतीय स्थान पर रही।कशिश शुक्ला को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। कार्यक्रम मे महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो मंजुला उपाध्याय उपस्थित रही प्राचार्या ने कार्यक्रम मे प्रतिभाग करने वाली छात्राओ द्वारा प्रस्तुति की प्रशंसा एव उत्साह वर्धन किया।

संक्षिप्त

लेन–देन के विवाद में युवक की हत्या, खाना बनाते वक्त दोनों में झगड़ा हुआ

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ में टेंट हाउस में काम करने वाले युवक की साथी ने पत्थर से पीट–पीटकर हत्या कर दी। चीख पुकार सुनकर टेंट हाउस कर्मी को ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया। जहां, डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है और पूछताछ की जा रही है। आरोपी ने बताया कि मृतक ने पहले मारपीट शुरू की थी। इसी झगड़े में उसकी मौत हो गई। हरदोई संडीला

कासिमपुर के बहलोलपुर गांव निवासी अनमोल सिंह (30) आलमनगर स्थित असलम अली के हिंद टेंट हाउस में काम करते थे। गुरुवार रात खाना बनाते वक्त लालू उर्फ सोमेंद्र से पुराने लेनदेन को लेकर विवाद हो गया। जिसके बाद दोनों के बीच मारपीट शुरू हो गई। मारपीट में अनमोल के सिर पर गंभीर रूप से चोट लगने से जमीन पर लहूलुहान होकर गिर गया। उसकी चीख सुनकर टेंट हाउस मालिक असलम अली के साथ ही अन्य कर्मचारी रेहान, रामू के साथ आसपास के लोग एकत्र हो गए। अनमोल को गंभीर हालत में ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। मृतक अनमोल के भाई आलोक ने बताया कि टेंट हाउस संचालक रेहान ने भाई के बीमार होने की सूचना दी थी। उसके दस मिनट बाद कहा कि उनकी मौत हो गई। ट्रॉमा सेंटर में मौजूद दरोगा महेंद्र कुमार ने भी कुछ बताने की जगह बात टालते रहे। पुलिस तहरीर देने के बाद भी सभी आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला भी दर्ज नहीं किया गया है। तालकटोरा इंस्पेक्टर ने बताया पूछताछ में आरोपी लालू उर्फ सोमेंद्र ने बताया कि खाना बनाते वक्त पुराने लेनदेन को लेकर विवाद शुरू हो गया। जिसके बाद मृतक अनमोल ने डंडे से उसकी (लालू) पिटाई शुरू कर दी। उसके बाद गला दबाकर मारने की कोशिश करने लगा। इसी दौरान पास में पड़ा पत्थर उठाकर उसके सिर पर मार दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

महानगर रामलीला में माता की चौकी आज

लखनऊ, एजेंसी। महानगर रामलीला समिति के सभागार में ललित मोहन जोशी जी की अध्यक्षता में एक बैठक की गई जिसमें आगामी 5 अक्टूबर को तीसरी नवरात्र के अवसर पर माता की चौकी का अयोजन दिन में 3 बजे से देर रात तक होगा जिसमें माता के भजन अलग अलग कलाकारों द्वारा गाए जायेंगे समिति के महासचिव हेम पंत ने बताया इस अवसर पर डॉक्टर विश्वास बर्मा, अवकाश प्राप्त जस्टिस महेंद्र दयाल के द्वारा उनके सुमधुर आवाज में भजनों की प्रस्तुती होगी। इनके अलावा बिमल पंत, भाषा जोशी, भारती पांडे, पूनम बिष्ट, सरोज खुल्वे, आशा रावत, अरुणा उपाध्याय, ललित भट्ट, हेमा जोशी, भावना लोहानी, दीपा सनवाल भी अपनी सहभागिता कर रही हैं अयोजन की व्यवस्था संयोजक दीपक पांडे दीनू देख रहे हैं। इस अवसर पर बैठक में वरिष्ठ उपाध्यक्ष विनोद कुमार पंत, संरक्ष्यक सदस्य बी पी पांडे,नीरद लोहानी, नीरज लोहानी, नवीन पांडे, कुणाल पंत, आनंद सिंह बिष्ट, हरीश उपाध्याय, हरीश लोहुमी ,अनिल जोशी,बृजेश मेहता, तारा दत्त जोशी भी मौजूद रहे। समिती के अध्यक्ष ललित मोहन जोशी जी ने बताया इस अवसर पर जस्टिस आलोक माथुर, डी जी पी आशुतोष पांडे जी भी विसिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

नगर निगम में जीआईएस सर्वे कैंप, समाधान न होने पर मेयर नाराज

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ में जीआईएस कैंप के दौरान मेयर सुषमा खर्कवाल ने अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। कैंप में आए लोगों को दूसरे दिन बुलाया जा रहा था, इसकी शिकायत मेयर से हुई। उसके बाद वह अपनी कुर्सी से खड़ी हो गईं। माइक उठाया और अधिकारियों को फटकार लगाना शुरू कर दिया। दरअसल, जोन तीन के जानकीपुरम इलाके के उपभोक्ता एके दुबे ने बताया कि पहले 1400 का बिल आता है। अब वह बढ़ाकर 2400 रुपए कर दिया गया है। इसकी शिकायत की गई तो बताया गया कि कुछ दिन बाद सही होगा। उसके बाद शिकायतकर्ता मेयर के पास पहुंचा और मेयर ने बात सुनी तो नाराज हो गईं।

सम्पादकीय.....

अन्याय का बुलडोजर

शीर्ष अदालत ने एक उस विवादास्पद मुद्दे पर स्पष्ट राय देश के सामने रखी है जिसकी तार्किकता को लेकर पिछले कई वर्षों से बार–बार सवाल उठ रहे थे। यानी कुछ राज्य सरकारों के बुलडोजरी न्याय को लेकर। खासकर भाजपा शासित राज्यों में गंभीर अपराधों व अनधिकृत कब्जों के खिलाफ पीला पंजा चलता देखा गया। जाहिरा तौर पर इस तरह की कार्रवाई न्याय की कसौटी पर खरी नहीं उतरती है। सवाल यह भी है कि जब तक किसी व्यक्ति पर सिर्फ आरोप ही लगे हैं, तो उसका घर कैसे गिराया जा सकता है? इस विवादास्पद कार्यशैली को लेकर दाखिल याचिकाओं की सुनवायी के दौरान देश की शीर्ष अदालत ने तल्ख टिप्पणियां की हैं। अदालत का मानना था कि भले ही कोई व्यक्ति किसी संगीन मामले में दोषी हो तो भी बिना न्यायिक प्रक्रिया पूरी किए ऐसी कार्रवाई नहीं की जा सकती है। लेकिन साथ ही अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि इसके मायने अवैध निर्माण को संरक्षण देना कदापि नहीं है। दरअसल, इस मामले में केंद्र व राज्य सरकारों की तरफ से दलील दी जाती रही है कि जिन मामलों में यह कार्रवाई की गई वे गैरकानूनी कब्जे कर किए गए अनधिकृत निर्माण थे। निस्संदेह, ये दलीलें मामले में जरूरी प्रक्रिया को न अपनाये जाने के चलते न्याय के अनुरूप नहीं ठहराई जा सकती हैं। दरअसल, हाल के वर्षों में कई बार देखने में आया कि कुख्यात अपराधियों,हत्यारों व बलात्कारियों के घर जमींदोज कर दिए गए। सतही तौर पर कहा जाता रहा है कि ऐसे अपराधियों में शासन–प्रशासन का भय होना चाहिए। लेकिन इस कार्रवाई को व्यापक अर्थों में देखें तो यह न तो कानून की कसौटी पर खरा उतरती है और ना ही इसे मानवीय दृष्टि से सही कहा जा सकता है। यही वजह है कि गाहे–बगाहे राजनीतिक पार्टियों और सामाजिक संगठनों द्वारा ऐसी कार्रवाई को लेकर सवाल उठाये जाते रहे हैं। निश्चय ही किसी सभ्य समाज में ऐसे सवालों का उठना लाजिमी है। सर्वोच्च न्यायालय के उस तर्क से सहमत हुआ जा सकता है जिसमें कहा गया था कि किसी मामले में आरोप लगने के बाद ऐसी कार्रवाई कानून सम्मत नहीं है। लेकिन ऐसी कार्रवाई तब भी नहीं की जानी चाहिए जब उसका अपराध साबित हो गया हो। निस्संदेह, घर एक पारिवारिक इकाई का नाम है। एक घर को बनाने में एक व्यक्ति की पूरी उम्र लग जाती है। फिर परिवार के तमाम सदस्यों का भी तो वह घर होता है। उनको अपराधी या आरोपी व्यक्ति के कृत्यों के चलते बेघर तो नहीं ही किया जा सकता। यह न केवल कानून के विरुद्ध है बल्कि अमानवीय कदम भी है। जिनका किसी अपराध से लेना–देना न हो, उन्हें दंडित करना अन्याय ही तो है। फिर यदि किसी व्यक्ति के घर पर आरोपों के चलते बुलडोजर चला दिया गया हो और वही व्यक्ति कालांतर आरोपमुक्त हो जाए, तो ध्वस्त घर बनाने की जिम्मेदारी किसकी होगी? शासन–प्रशासन के अधिकारियों को अपने राजनीतिक आकाओं को खुश करने के बजाय विवेक व न्यायसंगत तरीके से कोई निर्णय लेना चाहिए। निस्संदेह, अतिक्रमण का संकट देशव्यापी है, जिसे धर्म–जाति से परे कानून की दृष्टि से देखा जाना चाहिए। बल्कि तमाम तरह के अतिक्रमणों को बढ़ावा देने में राजनेताओं की बड़ी भूमिका होती है। कालांतर वोट बैंक बनाने के लिये वे इन अवैध निर्माणों को वैध बनाने की कोशिश में जुट जाते हैं। बहरहाल, देश में अतिक्रमण हटाने और बुलडोजर के इस्तेमाल को लेकर देशव्यापी दिशा–निर्देश तय होने चाहिए। जिससे राजनीतिक दल अपने निहित स्वार्थों के लिये इस कार्रवाई को तार्किक ठहराने की कोशिश न कर सकें। साथ ही अवैध निर्माण गिराने की प्रक्रिया सबके लिये एक समान होनी चाहिए। वैसे तो अवैध निर्माण हटाने की प्रक्रिया निरंतर सालभर चलने वाली प्रक्रिया है, इसका चुनाव या लक्षित समय में उपयोग करना गलत होगा। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर सभी हितधारकों से सुझाव मांगे हैं ताकि पूरे देश में बुलडोजर के इस्तेमाल के बाबत तार्किक व एकरूपता वाले दिशा–निर्देश राज्य सरकारों को दिए जा सकें। सवाल अधिकारियों का अपनी विश्वसनीयता कायम करने का भी है।

ईरान-इजरायल युद्धः खतरे में शांति

एजेंसी

ईरान ऐसे वक्त में लड़ाई में कूदा है जब इजरायल पहले से ही लेबनान के साथ युद्ध में उलझा हुआ है। अन्य पड़ोसी मुल्क खासकर, मिस्र, इराक आदि लड़ाई में उतर आते हैं तो स्थिति विकट हो जायेगी।

मध्य पूर्व एशिया में एक बड़े युद्ध के बादल फिर गहराने लगे हैं जब ईरान ने इजरायल पर बहुत बड़ा हमला बोल दिया है। बताया गया है कि ईरान ने आधे घंटे के भीतर एक के बाद एक करीब 200 बैलेस्टिक मिसाइलें इजरायल पर बरसाईं। हमलावर देश का यह दावा है कि 90 फीसदी मिसाइलें निशानों पर सटीक गिरी हैं। अप्रैल में ईरान द्वारा इजरायल पर किये गये हमले की तरह यह भी एक बड़ा आक्रमण बताया जाता है। इजरायल ने जल्दी ही इसका बदला लेने की धमकी देते हुए कहा है कि वह ईरान का हाल गजा की तरह कर देगा। उसने इसे ईरान की एक बड़ी गलती बतलाते हुए कहा है कि उसकी सेना बड़ा जवाब देने के लिये तैयार है। इजरायल के रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने चेतावनी भरे लहजे में कहा है कि ईरान ने कोई सबक नहीं सीखा है। वह भूल गया है कि जो इजरायल पर हमला करता है उसे भारी कीमत चुकानी पड़ती है। उधर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपने प्रशासन की एक उच्चस्तरीय बैठक बुलाई है। बाइडेन की नेतन्याहू से बात होगी। हालांकि ईरान ने अमेरिका को चेतावनी दी है कि वह दखलंदाजी न करे। युद्ध और माहौल की उग्रता को देखते हुए प्रतीत हो रहा है कि पूरे इलाके की शांति के लिये बड़ा खतरा सामने है। विश्व बिरादरी को इस क्षेत्र में शांति बहाली के लिये तत्काल कदम उठाने होंगे वरना युद्ध बड़ा रूप ले सकता है। ईरान ऐसे वक्त में लड़ाई में कूदा है जब इजरायल पहले से ही लेबनान के साथ युद्ध में उलझा हुआ है। अन्य पड़ोसी मुल्क खासकर, मिस्र, इराक आदि लड़ाई में उतर आते हैं तो स्थिति विकट हो जायेगी। अब तक इन मिसाइलों से बड़ी हानि की सूचना नहीं है पर बताया जाता है कि इससे वेस्ट बैंक में एक फिलीस्तीनी की मौत हो गयी है। सम्भवतरू ईरान के हमले का आशय चेतावनी देना मात्र हो सकता है। अन्य देशों की आलोचना से बचने के लिये उसने नागरिकों पर ये हमले नहीं किये होंगे। फिर भी कहा नहीं जा सकता कि वहां नागरिक कितने सुरक्षित हैं। हो सकता है कि ईरान के अगले निशाने इजरायल के रिहायशी क्षेत्र हों या यह भी हो सकता है कि अभी नुकसान की जानकारी सामने न आई हो। ईरान की इस्लामिक रिव्यॉल्यूशनरी गार्ड ऑफ कॉर्प्स (आईआरजीसी) की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि ये हमले हमास के चीफ इस्माइल हानिया, हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह और आईआरजीसी के कमांडर अब्बास निलफोरोशान की मौत का बदला लेने के लिये किये गये हैं। उसके अनुसार इजरायल के तीन सैन्य ठिकानों पर भी हमले किये गये हैं। हालांकि इसकी अभी पुष्टि नहीं हुई है। याद हो कि इसी साल अप्रैल में ईरान ने इजरायल पर एक बड़ा हमला किया था। उसके बाद जिसे शांति समझा जा रहा था दरअसल वह ईरान द्वारा इस हमले की तैयारी का दौर था। पिछले कुछ समय के अंतराल के बाद इजरायल मौजूदा दौर में अपने पड़ोसी मुल्कों से इतने बड़े हमले झेल रहा है और वह रक्षात्मक मोड में दिखाई दे रहा है। गजा में उसके द्वारा किये गये भीषण हमलों में जो तबाही हुई थी उसके कारण अनेक देशों में उसके खिलाफ माहौल बना है। जिस प्रकार से उसने अस्पतालों (खासकर बच्चों के) पर हमले किये, उसके चलते दुनिया भर की सहानुभूति फिलीस्तीन के प्रति बढ़ी है। उन देशों के नागरिक भी अपने ही देशों की सरकारों की आलोचना करते हुए इजरायल को सैन्य मदद देना बन्द करने की मांग कर रहे हैं। इजरायल के चारों ओर के देश उसके खिलाफ निर्णायक जंग के मूड में दिख रहे हैं जो बड़ी लड़ाई का संकेत दे रहे हैं। पश्चिमी देश इजरायल को मदद करना भी चाहें तो उसके नेतृत्व के लिये वे अमेरिका का मुंह देख रहे हैं। अमेरिकी प्रशासन के सामने भ्रम की स्थिति हो सकती है। पहला तो यह कि इस युद्ध में यदि वह शामिल होता है तो उसके अपने नागरिक ही विरोध ा कर सकते हैं। बाइडेन को भी इसलिये बहुत सोच–समझकर कदम उठाने होंगे क्योंकि इसी दिसम्बर में वहां राष्ट्रपति चुनाव हैं। फिलहाल उनकी डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस को बढ़त है परन्तु यदि कोई अलोकप्रिय कदम बाइडेन ने उठाया तो उसका खामियाजा उनकी पार्टी को चुनाव में उठाना पड़ सकता है। इजरायल को घेरे हुए जो इस्लामिक देश हैं, उनकी सेनाओं के अलावा अनेक संगठन भी हथियार तैयार किये बैठे हैं। इससे युद्ध की भयावहता का अंदाजा लगाया जा सकता है। गजा पट्टी एवं वेस्ट बैंक में हमास व फिलीस्तीनी इस्लामिक जिहाद, लेबनान में हिजबुल्लाह, इराक में पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्सेस, बद्र व असैब अह्ल अल हक, सीरिया में अफगानी शरणार्थियों से बना फातेमिया ब्रिगेड, जैनबी ब्रिगेड व कुवत अल–रिधा, यमन में हूती, बहरीन में अल–अश्तार ब्रिगेड जैसे संगठन कार्यरत हैं जिनके लाखों लड़ाके हैं। अमेरिका सहित पश्चिमी देशों का समर्थन लिये बिना इजरायल को इतने मोर्चों पर एक साथ लड़ना बहुत कठिन होगा। अगर ऐसा होता है तो अमेरिका–इजरायल के विरोधी खेमे के देश भी इस्लामिक देशों की मदद के लिये न उतर आयें। यह सबसे बड़ा खतरा है। हालांकि इस वक्त दुनिया के ज्यादातर देश स्वयं ही इतने ज्यादा खस्ताहाल हो चुके हैं कि युद्ध से दूर रहना चाहेंगे। तत्काल जरूरत इस क्षेत्र में शांति बहाल किये जाने की है।

हरियाणा में पिछड़ रही भाजपा मतदान से ठीक पहले मुश्किल स्थिति से कैसे उबर गयी?

नीरज कुमार दुबे

हरियाणा में लगभग सवा नौ साल तक मुख्यमंत्री रहे मनोहर लाल खट्टर के खिलाफ उपजी नाराजगी को भांप कर भाजपा नेतृत्व ने इस साल मार्च में उन्हें मुख्यमंत्री पद से हटा दिया था। खट्टर को लोकसभा चुनाव लड़वा कर और केंद्रीय मंत्री पद सौंप कर दिल्ली की राजनीति में स्थापित करने का प्रयास किया गया लेकिन खट्टर का मन हरियाणा में लगा रहा। भाजपा नेतृत्व को जब यह लगा कि खट्टर का नाम नुकसान पहुँचा रहा है तो पूरे चुनाव प्रचार अभियान से खट्टर का नाम और उनकी तस्वीर गायब कर दी गयी। हमने पाया कि भाजपा की हर चुनावी रैली अथवा जनसभाओं के दौरान मंच पर या उसके आसपास लगने वाले पोस्टरों, बैनरों और होर्डिंगों में खट्टर का नाम और तस्वीर नहीं थी। यही नहीं हरियाणा सरकार की जिन उपलब्धियों के सहारे भाजपा ने चुनाव लड़ा उसमें भी खट्टर की तस्वीर नहीं लगायी गयी। भाजपा ने साधारण लोगों की तस्वीरों का इस्तेमाल चुनाव प्रचार सामग्री में किया। जैसे युवाओं की तस्वीरों के साथ लिखा गया कि बिना खर्ची पर्ची नौकरी दी गयी। किसानों की

तस्वीरों के साथ लिखा गया कि 24 फसलों का एमएसपी दे रही हरियाणा सरकार, महिलाओं की तस्वीरों के साथ लिखा गया कि तमाम योजनाओं का लाभ दे रही भाजपा सरकार। इसी प्रकार अन्य उपलब्धियों का बखान करते हुए भी प्रचार सामग्री तैयार करवायी गयी जिसमें आम लोगों की तस्वीरें प्रकाशित की गयी थी। इसमें कोई दो राय नहीं कि खट्टर से छुटकारा पाकर भाजपा ने हरियाणा में खुद को मुश्किल स्थिति से उबारने में सफलता पाई है। ऐसा लगता है कि यदि भाजपा ने मार्च में खट्टर को हटाने का फैसला नहीं लिया होता तो आज वह चुनावी मुकाबले से पूरी तरह बाहर हो चुकी होती। खट्टर से व्यक्तिगत रूप से लोगों की नाराजगी भाजपा को चुनावों में उसी तरह नुकसान पहुँचा सकती थी जैसे कि राजस्थान विधानसभा के 2018 के चुनावों में देखने को मिला था जब नारे लग रहे थे कि मोदी तुझसे बैर नहीं, वसुंधरा तेरी खैर नहीं। हमसे बातचीत में भाजपा के भी कई समर्थकों और कार्यकर्ताओं ने माना कि यदि खट्टर को हटाने का फैसला एक साल पहले लिया गया होता तो लोकसभा चुनावों में भी हम सारी सीटें जीत सकते थे। इसके अलावा, 15 दिनों पहले जब हमने हरियाणा विधानसभा चुनाव प्रचार की कवरेज की शुरुआत की थी उस समय सब जगह कांग्रेस की हवा ही दिख रही थी लेकिन एक एक दिन बीतने के साथ यह हवा हमें धीमी पड़ती दिखी और अब जब चुनाव प्रचार खत्म हो चुका है तो कहा जा सकता है कि हवा किसी एक के पक्ष में नहीं है बल्कि कांटे का मुकाबला देखने को मिल सकता है। हरियाणा चुनाव के दौरान मुझे दिल्ली नगर निगम का पिछला चुनाव इसलिए याद आ गया क्योंकि उसमें भाजपा का सूपड़ा साफ होने की भविष्यवाणी की गई थी लेकिन जब परिणाम आये तो पार्टी नजदीकी मुकाबले में आम आदमी पार्टी से सिर्फ कुछ सीटों से पिछड़ गई थी। हरियाणा चुनावों में भी जमीनी स्थिति कुछ ऐसी ही दिखी। ऐसा लगता है कि भाजपा को जब इस बात का अहसास हुआ कि वह चुनाव में कांग्रेस से बहुत ज्यादा पीछे नहीं है तो उसने पिछले 10 दिनों में अपनी पूरी ताकत झोंक दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चार जनसभाएं कराई गयीं और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत तमाम मुख्यमंत्रियों को चुनाव प्रचार में उतार दिया गया। पूरे चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस ने 70 से ज्यादा रैलियां और जनसभाएं कीं। जवाब में भाजपा ने 150 सभाएं और रैलियां कर माहौल को पूरी तरह बदल दिया। हरियाणा में कांग्रेस ने जमीन तक इस बात को पहुँचाने में सफलता हासिल कर ली थी कि श्कांग्रेस आ रही है, भाजपा जा रही हैश। भाजपा ने इस हवा की चाल को धीमा करने के लिए परिवारवाद को मुद्दा बनाया और भूपिंदर सिंह हुड्डा के पिछले शासन की याद दिलाई जिससे माहौल बदलने लगा। भाजपा ने जनता के बीच इस धारणा को मजबूत किया कि अगर कांग्रेस आई तो निश्चित रूप से हुड्डा को कमान सौंपी जाएगी। कांग्रेस नेतृत्व ने भी बार–बार हुड्डा को ही कमान सौंपने के संकेत दिये जिससे फायदा होने की बजाय नुकसान होता दिखा क्योंकि हुड्डा को अपने पिछले कार्यकाल में सिर्फ रोहतक का सीएम माना जाता था और उन पर अपने आलाकमान को खुश रखने के लिए प्रदेश के संसाधनों का दुरुपयोग करने के आरोप भी हैं। कई क्षेत्रों के लोगों का मानना है कि हुड्डा ने सिर्फ रोहतक में काम किया जिससे वहां की जमीनों के रेट ज्यादा हैं और उनके इलाके की जमीनों का रेट बहुत कम है। इसके अलावा भाजपा ने जिस एकजुटता और रणनीति के साथ हरियाणा में काम किया उससे पार्टी मुकाबले में तेजी से वापसी करती दिखी। रैलियों, सभाओं और डोर टू डोर हुए प्रचार के बाद मिल रहे फीडबैक से भाजपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह दिखा और इस उत्साह को और बढ़ाने के लिए पार्टी ने कोई कसर नहीं छोड़ी इसलिए 3 अक्टूबर शाम पांच बजे चुनाव प्रचार थमने तक भाजपा के प्रदेश के बड़े नेता, दूसरे राज्यों के मंत्री और मुख्यमंत्री तथा केंद्रीय मंत्री जनता के बीच लगातार पहुंचकर भाजपा की सरकार तीसरी बार बनाने की अपील करते दिखे। भाजपा की रैलियों पर नजर डालें तो पता चलता है कि पिछले लगभग एक महीने में प्रमुख नेताओं की 150 से अधिक जनसभाएं हुईं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत तमाम वरिष्ठ नेताओं ने रैलियों और रोड शो के माध्यम से अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं और कांग्रेस को अनेक मुद्दों पर सफलतापूर्वक घेरा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने तो एक दिन में 4 से 5 बड़ी रैलियां कीं। भाजपा के लिए हरियाणा में सघन प्रचार करने वालों में केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव आदि शामिल रहे। हरियाणा भर में कोई शहर या गांव ना छूटे इसके लिए विभिन्न प्रदेशों के प्रवासी नेताओं और कार्यकर्ताओं की ड्यूटी भी लगायी गयी ताकि भाजपा की उपलब्धियों और पार्टी के संकल्प पत्र में किये गये वादों को जन–जन तक पहुँचाया जा सके।

अमृतकाल में भुखमरी

सर्वमित्रा सुरजन

अगर तस्वीरें बोल सकतीं, मूर्तियां हिलने–डुलने में सक्षम होतीं, तो महात्मा गांधी अपने जन्मदिन पर हाथ जोड़कर नरेन्द्र मोदी समेत संघ की मानसिकता में पोषित तमाम नेताओं से विनती करते कि वे बेशक नाथूराम गोडसे की जय जयकार कर लें (जिसने उन पर तीन गोलियां दागीं), लेकिन उनके (गांधी के) आगे दिखावे के लिए हाथ न जोड़ें। क्योंकि गांधी की मूर्ति पर माला चढ़ाने या उन्हें प्रणाम करने का तब तक कोई अर्थ नहीं है, जब तक उनके आदर्शों पर चलने की नीयत न हो। गांधीजी ने ऐसे आजाद भारत की कल्पना की थी, जिसमें आखिरी कतार के आखिरी व्यक्ति की आंख से आंसू पोंछे जाएं। यानी जो समाज में सबसे गरीब, पीड़ित और शोषित लोग हैं, उनकी पीड़ा को दूर करने का काम सरकार करे, तभी आजादी का मतलब है। लेकिन नरेन्द्र मोदी की सरकार में गरीबों की पीड़ा बढ़ती ही जा रही है और अब भूख से मौत जैसी भयावह हकीकत समाज देख रहा है। चेन्नई में बंगाल से गए एक मजदूर की मौत हो गई, क्योंकि उसके पास खाने के लिए एक दाना नहीं था और छह दिनों से वो भूख से तड़प रहा था। अंग्रेजी अखबार द हिंदू की खबर है कि प.बंगाल से 12 किसान मजदूर 3 सौ रूपए रोजी के वादे पर तमिलनाडु लाए गए थे। अच्छे काम और पैसे के झांसे में आकर ये मजदूर जब चेन्नई पहुंचे, तो यहां इन्हें न काम मिला, न पैसे और न लौटने का कोई साधन इनके पास बचा था। रेलवे स्टेशन पर ये मजदूर पिछले एक हफ्ते से बैठे हुए थे और भूख से तड़प रहे थे। जिसमें से एक ने आखिरकार दम तोड़ दिया और एक की हालत अभी नाजुक बताई जा रही है। भुखमरी से इस मौत के बाद प्रशासन हरकत में आया और अब बाकी मजदूरों को बचाया गया है। मृतक की पहचान समर खान के रूप में की गई है। इस नाम के बाद अब भुखमरी से मौत के इस संगीन मामले को किस हद तक तोड़ा–मरोड़ा जा सकता है, इसकी कोई कल्पना नहीं की जा सकती। क्योंकि भाजपा के दस सालों के शासनकाल में अकल्पनीय चीजें भी सच होने लगी हैं। आंखों की शरम का जो वाक्यांश हुआ करता था, वह अब लगभग गायब है। इसलिए अरबपतियों की शादी में हाथी के लिए बनी खिचड़ी को खाकर पत्रकार धन्य होते हैं। प्राइम टाइम में हिंदू–मुसलमान पर तीखीं झड़पें करवाते हैं। किसी के घर के फ्रिज में रखे मांस के नाम पर उसे मौत के घाट उतार दिया जाता है। सरकारें प्रसाद में बने लड्डू को प्राथमिकता की सूची में सबसे पहले रखती हैं। तिरूपति में बने लड्डू शुद्ध घी के थे या उनमें जानवर की चर्बी मिली थी, इस पर 11 दिन का प्रायश्चित करने की विलासिता सरकार में बैठे लोगों के पास हो सकती है, लेकिन भूख से मरते आदमी के लिए शुद्धता या मिलावट से बड़ा सवाल उस रोटी का है, जो उसके हिस्से की थी, उसे पूरे हक और सम्मान से मिलनी चाहिए थी, लेकिन फिर भी उसे नहीं मिली। राहुल गांधी ने हरियाणा में विजय संकल्प रैली में एक महत्वपूर्ण बात कही कि सम्मान जरूरी है, लेकिन गरीब की जेब में अगर पैसे नहीं हैं, तो फिर सम्मान का क्या मतलब। राहुल गांधी को सत्ता का मोह नहीं है, वो किसी पद के आकांक्षी नहीं हैं, इसलिए जब वो गरीबों के हितों की बात करते हैं, तो उसमें बनावटीपन नहीं दिखता, सच्चाई नजर आती है। राहुल गांधी ने ऊंचे मंचों पर चढ़कर अमृतकाल, विकसित भारत, पचास साल बाद के भारत का प्रवचन नहीं किया, बल्कि देश के चारों दिशाओं की यात्रा की है, हजारों किमी पैदल घूमे हैं, लोगों के बिल्कुल बीच में जाकर उनसे बात की है। इसलिए वो जानते हैं कि इस देश के लोगों के दुख–दर्द क्या हैं। इस दर्द का इलाज भी वो बता रहे हैं कि दो–तीन लोगों के हाथों में देश की पूरी संपत्ति देने की जगह इस पर सबकी बराबरी की हिस्सेदारी होनी चाहिए। हिस्सा किस तरह बांटा जाए, इसका समाधान जातिगत जनगणना से हो सकता है, ऐसा उनका विचार है। अगर भाजपा को या किसी और दल को इस सुझाव पर आपत्ति है, तो वह इससे बेहतर कोई उपाय पेश करे। लेकिन केवल कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के उठाए मुद्दों और दिए गए सुझावों का विरोध करने से तो समस्याएं सुलझेंगी नहीं। सत्ता के ग्यारहवें साल में भी प्रधानमंत्री देश के गरीब और पिछड़े लोगों का जीवन स्तर ऊंचा करने के लिए वादे ही किए जा रहे हैं। 80 करोड़ लोगों को पांच किलो अनाज मुफ्त देने की योजना को भाजपा अगर अपनी उपलब्धियों में गिनती है, तब भी उससे सवाल किया जा सकता है कि ये पांच किलो अनाज समर खान और उनके साथियों तक क्यों नहीं पहुंचा। अब तक बेरोजगारी, कर्ज, परीक्षा में असफलता जैसे कारणों से होने वाली आत्महत्याएं समाज के लिए चिंता का विषय थीं। इस बीच कई घंटों के काम और नौकरी के कारण होने वाले तनाव से मौत की खबरें आईं। इन सबका उपाय सरकार के पास नहीं है और अब भुखमरी से मौत का मामला सामने आया है। चूंकि तमिलनाडु और प.बंगाल दोनों जगह भाजपा की सरकार नहीं है, इसलिए भूख से मौत की खबर को दबाने या इसे फर्जी ठहराने की कोशिश अब तक नहीं हुई है। बल्कि प.बंगाल के राज्यपाल आनंद बोस ने इसके लिए ममता बनर्जी की सरकार पर सवाल भी खड़े कर दिए हैं। इसमें एम के स्टालिन की सरकार को किस तरह घेरा जाएगा, यह भी देखना होगा। लेकिन भाजपा को याद रखना चाहिए कि दूसरे दलों पर उंगली उठेगी तो उस पर भी सवाल खड़े होंगे। जब हर साल 2 करोड़ रोजगार का वादा था, किसानों की आय दोगुनी होने का दावा था, किसान सम्मान निधि ा के नाम पर जय–जयकार करवाई जा रही है, तब काम की तलाश में प.बंगाल से तमिलनाडु जाने की मजबूरी क्यों हो रही है, इसका जवाब नरेन्द्र मोदी को देना ही चाहिए। देश के 140 करोड़ लोगों को अपना परिवार बताने वाले नरेन्द्र मोदी अपने परिजन की भूख से मौत पर विचलित हो रहे हैं या नहीं, ये उन्हें बताना चाहिए। गांधीजी होते तो शायद ऐसी किसी घटना पर प्रायश्चित स्वरूप उपवास पर बैठ जाते। आज भी उनकी आत्मा शायद यह देख कर दुखी हो रही होगी कि उनकी जयंती पर लाखों रुपए खर्च करके भव्य कार्यक्रम हो रहे हैं और जिनके आंसू पोंछने की बात वे करते थे, उनके लिए भुखमरी के हालात हैं। मुंह में राम, बगल में छुरी की लोकोक्ति आज गांधी के संदर्भ में बिल्कुल खरी उतरती है। नाथूराम गोडसे ने किन लोगों के साथ, किन लोगों की मदद से और किनकी विचारधारा से प्रेरित होकर गांधी जी की हत्या की, यह खुला सच है। आज वही गोडसेवादी अखबारों और टीवी चौनलों में गांधी जयंती पर बड़े–बड़े इश्तिहार दे रहे हैं। मुंह से गांधीजी का नाम ले रहे हैं, और दिल में गोडसे के विचारों को पाल रहे हैं। इतनी चालाकी पर्याप्त नहीं थी, तो दस सालों में गांधी के विराट व्यक्तित्व को स्वच्छता के विचार तक सीमित करने की कोशिश की गई। आज भी देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वच्छ भारत दिवस मनाते हुए गांधीजी के स्वच्छता संबंधी विचारों को याद कर रहे थे।

जेल में बंद जैकलीन के दीवाने का ऐलान- एक्ट्रेस के फैंस को बांटेंगे 10 थार और आईफोन 16 प्रो

ठग सुकेश चंद्रशेखर एक बार फिर चर्चाओं में बने हुए हैं। उन्होंने बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज के फैंस को 10 थार ऑफ–रोड एसयूवी थार रॉक्स और 100 आईफोन 16 प्रो देने की घोषणा की है। सुकेश ने जैकलीन के लिए एक पत्र जारी कर यह पुरस्कार बांटने की घोषणा की। सुकेश ने अपने पत्र में लिखा–सभी प्यारे लोगों, खासकर जैकी के प्रशंसकों के लिए मैं भाग्यशाली 100 सपोर्टिंग स्टॉर्म राइडर, सॉन्ग, 10 महिंद्रा थार रॉक्स और 100 आईफोन 16 प्रो दे रहा हूं। इस कवायद के पीछे का कारण जैकलीन के नए गाने स्टॉर्मराइडर को उनके पिछले गाने शयिम्मी यिम्मीश से कहीं ज्यादा हिट बनाना है, जो तुरंत वायरल हो गया था। उन्होंने आगे कहा–अब इस बार हम खेल को आगे बढ़ाते हैं, दोस्तों। इस पत्र में लिखा गया– जैकी ने स्टॉर्मराइडर ट्रैक में आप लोगों के लिए इतनी मेहनत और प्रयास किए हैं, मैं चाहता हूं कि आप सभी स्टॉर्मराइडर को यिम्मी यिम्मी से भी बड़ा हिट बनाएं। इसके बाद उन्होंने सभी प्रशंसकों के लिए गाना देखने, अभिनेत्री के चौनल को सब्सक्राइब करने और उनके चौनल पर जुड़ाव बढ़ाने के लिए कार्य योजना बनाई। उन्होंने गाने पर 100 मिलियन व्यूज का लक्ष्य रखा और बताया कि दिवाली के मौके पर ड्रॉ की घोषणा की जाएगी पत्र में घोषणा की गई कि शीर्ष 90 विजेताओं को एक नया आईफोन 16 प्रो मिलेगा। कुल 100 विजेताओं का चयन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उपरोक्त सभी पुरस्कार मैंने व्यक्तिगत स्तर पर दिए हैं और थार रॉक्स विजेताओं का सारा कर और पंजीकरण मैं वहन करूंगा, जिसमें थार रॉक्स की पूरी लागत भी शामिल है। बता दें कि सुकेश चंद्रशेखर अभी भी जेल में है। उसे हाल ही में बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक मामले में जमानत दी है जिसमें उसे नौ साल पहले गिरफ्तार किया गया था। हालांकि, ठग को अभी भी उसके खिलाफ दर्ज कुछ अन्य मामलों में जमानत मिलनी बाकी है।

> सुकेश ने अपने पत्र में लिखा-सभी प्यारे लोगों, खासकर जैकी के प्रशंसकों के लिए मैं भाग्यशाली १०० सपोर्टिंग स्टॉर्म राइडर, सॉन्ग, १० महिंद्रा थार रॉक्स और १०० आईफोन १६ प्रो दे रहा हूं। इस कवायद के पीछे का कारण जैकलीन के नए गाने स्टॉर्मराइडर को उनके पिछले गाने 'यिम्मी यिम्मी' से कहीं ज्यादा हिट बनाना है, जो तुरंत वायरल हो गया था। उन्होंने आगे कहा-अब इस बार हम खेल को आगे बढ़ाते हैं, दोस्तों।

काजोल ने अपने नए इंस्टाग्राम पोस्ट में नियमों को चुनौती देने की सलाह दी

बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल, जो जल्द ही आगामी मूवी दो पत्ती में नजर आएंगी, रूल बुक को तोड़ने पर अपनी राय शेयर की है। बुधवार को, एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें वह उल्टे सूट में नजर आ रही हैं और ब्लेजर के बटन पीछे की तरफ लगे हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, अगर आपको नियम पसंद नहीं है.. तो नियम तोड़ दीजिए! इससे पहले, एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर मुंबई की मूसलाधार बारिश पर एक मजेदार फोटो शेयर की थी। इंस्टाग्राम पर 17.3 मिलियन फॉलोअर्स वाली काजोल ने करण जौहर द्वारा निर्देशित अपनी फिल्म कुछ कुछ होता हैश की एक छोटी सी झलक शेयर की। उन्होंने कैप्शन लिखा, मैं मुंबई की बारिश का आनंद लेने के लिए कुछ भजिया और चाय लेने के लिए दौड़ रही हूं (दो छतरियों के इमोजी के साथ)। क्लिप में, काजोल ने एक क्लीप पोस्ट किया, जिसमें वह भारी बारिश में जंगल में दौड़ती हुई मुंबई के मौसम पर व्यंग कसती हैं, मुंबई में भारी बारिश हुई जो एक सप्ताह से अधिक समय तक जारी रहने वाली है। एक्ट्रेस ने अपने घर से भारी बारिश की एक झलक भी शेयर की। वीडियो में, काजोल ने बिजली की चमक के साथ उल्टा झरने की तरह गिरती बारिश को कैद किया। उन्होंने वीडियो को कैप्शन दिया, वाटरफालीन ... इस बारिश को प्यार कर रही हूं (आंखों में स्टार वाली इमोजी के साथ)। अगर एक्ट्रेस के कार्य क्षेत्र की बात करें तो अगली बार दो पत्ती में दिखाई देंगी जिसमें वह कृति सैनन के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी। फिल्म को हसीन दिलरुबा फ्रैंचाइजी की लेखिका कनिका ढिल्लों ने लिखा है। वह कृति सैनन के साथ फिल्म का निर्माण भी कर रही हैं। श्दो पत्ती कृति की ब्लू बटरफ्लाई फिल्म्स के बैनर तले बतौर निर्माता पहली फिल्म है।

सुपर स्टार रजनीकांत की हृदय की बीमारी का सफलता पूर्वक इलाज हुआ

दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार रजनीकांत की हृदय से जुड़ी बीमारी का डॉक्टरों ने दिल्ली में सफलतापूर्वक इजाल कर लिया है। विशेषज्ञों का मानना है उनको हृदय की मुख्य धमनी से जुड़ी जिस प्रकार की बीमारी हुई थी, उस बीमारी से ग्रसित 10 में से 8 लोग अस्पताल पहुंचने से पहले ही दम तोड़ देते हैं। उन्हें हृदय की मुख्य रक्त वाहिका महाधमनी में सूजन की बीमारी के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इस बीमारी एओर्टिक एन्यूरिज्म कहते हैं। जिसे महाधमनी धमनीविस्फार भी कहते हैं। महाधमनी धमनीविस्फार (एओर्टिक एन्यूरिज्म) इंसान के हृदय की एक खतरनाक स्थिति है। इसमें हमारे शरीर की सबसे बड़ी धमनी, महाधमनी, अपने सामान्य आकार से 1.5 गुना अधिक बढ़ जाती है। राष्ट्रीय राजधानी स्थित सी.के. बिड़ला अस्पताल के कार्डियोलॉजी विभाग के कंसल्टेंट डॉ. संजीव कुमार गुप्ता ने इस बीमारी पर बात करते हुए बताया, आमतौर पर इसमें कोई लक्षण नहीं होते, लेकिन यदि यह फट जाता है या कट जाता है, तो इससे सीने, पेट या पीठ में गंभीर दर्द हो सकता है और जीवन के लिए खतरा पैदा करने वाला रक्तस्राव हो सकता है। जोखिम कारकों में धूम्रपान, अत्यधिक शराब का सेवन, उच्च रक्तचाप और अधिक उम्र शामिल है। महाधमनी धमनीविस्फार(एओर्टिक एन्यूरिज्म) का उपचार सर्जरी के माध्यम से किया जाता है। यह खुली सर्जरी या न्यूनतम आक्रामक अंतर्गर्भाशयी धमनीविस्फार मरम्मत यानी इनवैसिव एंडोवैस्कुलर एन्यूरिज्म रिपेयर (ईवीएआर) के द्वारा किया जाता है। बेंगलुरु के एस्टर आर.वी. अस्पताल के सीनियर डॉ. कृष्ण चौतन्य ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अधिकांश धमनी विस्फार तब तक लक्षण उत्पन्न नहीं करते, जब तक कि यह फट न जाए। डॉ. चौतन्य ने इस विषय पर बात करते हुए बताया, केवल कुछ भाग्यशाली व्यक्तियों में ही सीटी स्कैन या अल्ट्रासाउंड जांच के दौरान इस बीमारी पता चल पाता है। कुछ अध्ययनों का अनुमान है कि 65 वर्ष से अधिक आयु के लगभग 12 प्रतिशत वयस्क महाधमनी धमनीविस्फार से पीड़ित हैं, जबकि युवा व्यक्तियों में इसका प्रतिशत कम देखा जाता है। अचानक मृत्यु के कई मामलों को गलती से बड़े पैमाने पर दिल का दौरा या उम्र बढ़ने के रूप में चिह्नित किया जाता है, जबकि वास्तविक कारण कभी पता नहीं चल पाता है। उन्होंने आगे कहा, ऐसा कहा जाता है कि फटे हुए महाधमनी धमनीविस्फार वाले 10 में से आठ व्यक्ति जीवित अस्पताल नहीं पहुंच पाते। वर्तमान में, सक्रिय महाधमनी धमनीविस्फार जांच ही जोखिम ग्रस्त लोगों में इस बीमारी का पता लगाने का एकमात्र तरीका है।

हैदर के 10 साल पूरे होने पर तब्बू ने जताया आभार

फिल्म मेकर विशाल भारद्वाज की 2014 में आई क्राइम थ्रिलर फिल्म 'हैदर' ने बुधवार को एक दशक का सफर पूरा कर लिया है। इसमें अभिनेत्री तब्बू ने गजाला मीर का किरदार निभाया था। फिल्म के 10 साल पूरे होने पर उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। तब्बू ने बुधवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। इममें शाहिद कपूर, के के मेनन, इरफान खान और श्रद्धा कपूर जैसे कई अन्य कलाकार दिखाई दे रहे हैं। तब्बू ने सभी सह कलाकारों को अपने पोस्ट के साथ टैग करते हुए, इस शानदार फिल्म के लिए धन्यवाद किया। फिल्म हैदर विलियम शेक्सपियर के दुखांत नाटक हैमलेट का रीमेक है। इसकी पृष्ठभूमि 1995 के उग्रवाद प्रभावित कश्मीर संघर्ष है। इसमें बशारत पीर के संस्मरण कर्फ्यूड नाइट को भी आधार बनाया गया है। फिल्म शाहिद के किरदार हैदर के इर्द–गिर्द घूमती है, जो एक युवा छात्र और कवि है। वह अपने लापता पिता को खोजने के लिए कश्मीर लौटता है और अंततः राज्य की राजनीति में उलझ जाता है। यह शेक्सपियर की रचनाओं पर आधारित विशाल भारद्वाज की तीसरी फिल्म थी। इससे पहले 2003 में "मकबूल" और 2006 में रिलीज हुई "ओमकारा" आई थी। हैदर को पहली बार 19वें बुसान अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में दिखाया गया था। साल 2014 में रिलीज होने पर, यह बॉक्स–ऑफिस पर हिट रही थी, और अपने विवादास्पद विषय के कारण मीडिया का ध्यान आकर्षित किया था। रोम फिल्म फेस्टिवल में पीपल्स चॉइस अवार्ड जीतने वाली पहली भारतीय फिल्म हैदर थी। फिल्म ने 62वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में शीर्ष पांच पुरस्कार जीते थे। तब्बू को आखिरी बार नीरज पांडे द्वारा निर्देशित रोमांटिक थ्रिलर औरों में कहां दम था में देखा गया था। इस फिल्म में अजय देवगन और तब्बू एक साथ थे। यह दोनों की दसवीं फिल्म थी। फिल्म में जिमी शेरगिल, शांतनु माहेश्वरी और सई मांजरेकर भी थे। फिल्म में एक कपल की लव स्टोरी दिखाई गई है जो 2000 से 2023 तक चलती है।

44 साल में भी 21 की लगती है श्वेता तिवारी, लाखों मुसीबतों से अकेली लड़ी, टूटी-हारी-रोई और फिर खड़ी हुई...

श्वेता तिवारी ने लोकप्रिय धारावाहिक कसौटी ज़िंदगी की में प्रेरणा के रूप में अपनी प्रतिष्ठित भूमिका से प्रसिद्धि पाई। हिंदी मनोरंजन उद्योग में दो दशक से अधिक समय बिताने के बाद, श्वेता तिवारी भारतीय घरों में एक जाना–पहचाना चेहरा बन गई हैं। श्वेता, जो आज 4 अक्टूबर को अपना जन्मदिन मना रही हैं, अपने डेली सोप और स्क्रीन प्रेजेंस के लिए व्यापक रूप से पसंद और प्रशंसित हैं। उनके कुछ लोकप्रिय शो में कसौटी ज़िंदगी की, परवरिश, जाने क्या बात हुई और बेगूसराय शामिल हैं। श्वेता बिग बॉस सीजन 4, नच बलिए, झलक दिखला जा और फियर फैक्टररू खतरों के खिलाड़ी जैसे टीवी रियलिटी शो का भी हिस्सा रही हैं। टेलीविजन के अलावा श्वेता ने ओटीटी और सिनेमा पर भी अपनी पहचान बनाई है। एक अभिनेत्री के रूप में अपनी बहुमुखी प्रतिभा के साथ–साथ एक व्यक्ति के रूप में अपने मजबूत रुख का प्रदर्शन किया। यहाँ अभिनेत्री के बारे में कुछ बाते हैं जो शायद अभी तक आपको नहीं पता हो? कथित तौर पर, अभिनेत्री एक मेधावी छात्रा थी और नियमित रूप से पाठ्येतर गतिविधियों में भी भाग लेती थी। बाद में, उन्होंने मुंबई के मझगांव में बुरहानी कॉलेज से बी.कॉम की डिग्री हासिल की। घ्श्वेता ने 1999 में दूरदर्शन पर कलीरें से टेलीविज़न पर शुरुआत की। टेलीविज़न और बॉलीवुड में कदम रखने से पहले, वह भोजपुरी फ़िल्म इंडस्ट्री में एक लोकप्रिय नाम थीं। कुछ अन्य ऑडिशन के बाद, श्वेता ने एकता कपूर की बालाजी टेलीफ़िल्म्स के तहत निर्मित रोमांटिक ड्रामा कसौटी ज़िंदगी की में प्रेरणा शर्मा की भूमिका निभाई। 2001 से 2008 के बीच चला यह शो एक ज़बरदस्त सफ़लता थी और श्वेता के शानदार करियर का शुरुआती मील का पत्थर बन गया। श्वेता तिवारी ने अपनी खूबसूरती और गर्मजोशी से दर्शकों का दिल जीत लिया। वह बिग बॉस का खिताब जीतने वाली पहली महिला बनीं और उन्हें 1 करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार मिला। श्वेता तिवारी बिग बॉस 4 की विजेता थीं, जहाँ उन्होंने अपने मजबूत व्यक्तित्व और रणनीतिक गेमप्ले का प्रदर्शन किया। उन्होंने कई हिट टीवी शो देने के बाद शो में प्रवेश किया। ज़ाकिर खान की मेजबानी में चल रहे इस मनोरंजक टॉक शो में श्वेता तिवारी पैनल एंटरटेनर के रूप में रित्विक धनजानी, गोपाल दत्त और परेश गनात्रा के साथ शामिल हैं। इस शो में विचित्र समाचार बहसें और मशहूर हस्तियों के साथ खुलकर बातचीत शामिल है। श्वेता तिवारी ने भारतीय सेलिब्रिटी रियलिटी डांस शो झलक दिखला जा के छठे सीजन में हिस्सा लिया था। उन्होंने अपने डांस मूव्स और एक्सप्रेशन से फैंस को प्रभावित किया, लेकिन फिनाले में प्रवेश नहीं कर सकीं। दृष्टि धामी सलमान यूसुफ खान के साथ सीजन की विजेता बनीं। 2021 में खतरों के खिलाड़ी के 11वें सीजन में श्वेता तिवारी भी शामिल थीं। श्वेता ने अपने डर का सामना किया और बिजली के झटके और जंगली जानवरों जैसे स्टंट किए। अन्य प्रतियोगियों में दिव्यांका त्रिपाठी, राहुल वैद्य और वरुण सूद शामिल थे।

श्वेता की अभिनय के अलावा कई तरह की रुचियाँ हैं जो उनके उज्ज्वल स्वभाव को दर्शाती हैं। उन्हें फिट रहने और स्वस्थ जीवनशैली जीने में गहरी दिलचस्पी है। उनकी दिनचर्या में नियमित कसरत और योग शामिल हैं, जो उन्हें भावनात्मक और शारीरिक रूप से मजबूत रखने में मदद करते हैं। श्वेता अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी फिटनेस यात्रा की झलकियाँ पोस्ट करके अपने प्रशंसकों को अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के लिए प्रोत्साहित करती हैं। श्वेता अपने परिवार को बहुत महत्व देती हैं। वह प्रियजनों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताने के महत्व पर प्रकाश डालती हैं और अक्सर अपने बच्चों के साथ खास पल साझा करती हैं। उनका परिवार उनका सहारा है, जो उन्हें जीवन के उतार–चढ़ाव में मार्गदर्शन करता है। श्वेता ने रास्ते में कठिनाइयों का सामना किया है। उन्हें व्यक्तिगत चुनौतियों का सामना करना पड़ा, जैसे कि एक चुनौतीपूर्ण तलाक और एक अकेली माँ होना। वह हमेशा मजबूत होकर उभरी हैं और अपने अनुभवों से दूसरों को प्रेरित किया है। श्वेता अपने संघर्षों को सोशल मीडिया पर खुलकर साझा करती हैं, जिससे उन लोगों को उम्मीद मिलती है जो समान परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं।

आप भी घर में बना सकते हैं 10 तरह के डोसा, स्वाद होगा काफी जायकेदार

दक्षिण भारत का सबसे फेमस डोसा कई सारे लोगों को खाना खूब पसंद होता है। पूरे भारत में डोसा का स्वाद हर भारतीय के अंदर रच–बस गया है। ज्यादातर घरों में इसे बनाया जाता हैं। इस लेख में हम आपको 10 प्रकार के डोसा बनाने का तरीका बताएंगे, जिसे आप झटपट से बना लेंगे। जो इस डोसा को चखेगा, वह आपसे रेसिपी जरुर पूछेगा। आइए जानते आप डोसा को कितनी प्रकार से बना सकते हैं।

मसाला डोसा

सबसे ज्यादा मसाला डोसा खाया जाता है। यह क्लासिक और सबसे लोकप्रिय डोसा। आलू की भरवन और तड़के से बना यह डोसा सभी को खूब पसंद आता है। मसाला डोसा को लोग घर में भी बनाते हैं। इसे हर कोई पसंद करता है।

मेदु वड़ा डोसा

क्या आप ने कभी मेदु वड़ा वाला डोसा खाया है। मेदु वड़ा और डोसा का अनूठा कॉम्बिनेशन। इसे डोसा को बनाना बेहद आसान है। इसके लिए आपको ज्यादा कुछ नहीं करना। मेदु वड़े को डोसे के अंदर भरकर बनाया जाता है। इसे आप घर पर जरुर ट्राई करें।

पनीर टिक्का डोसा

पनीर टिक्का वाला डोसा शायद ही आप ने खाया होगा। यह कॉम्बिनेशन आपको जरुर पसंद आएगा। इसे बनाने के लिए आपको पनीर टिक्का मसाले में मैरीनेट किया हुआ पनीर डोसे के साथ सर्व किया जाता है।

वेजिटेबल डोसा

अगर आप हेल्थ को लेकर सजग रहते हैं, तो यह वेजिटेबल डोसा आपके लिए काफी हेल्दी साबित होगा। यह डोसा सेहत और स्वाद के लिए भी लाजवाब होगा। डोसे के बैटर में आप अपनी पसंद की कटी हुई सब्जियां मिला सकते हैं।

चटनी डोसा

यह डोसा बनाना काफी आसान है। इस डोसे में डोसे के बैटर में ही चटनी मिलाई जाती है। आप अपने पसंद की कोई भी चटनी जैसे नारियल की चटनी, धनिया चटनी का इस्तेमाल कर सकते हैं।

कुरकुरा मसाला डोसा

अगर आपको कुरकुरा डोसा खाना बेहद पसंद है, तो आप इसे खा सकते हैं। यह कुरकुरा, हल्का और मुलायम होता है। इसमें मसालेदार आलू भरे होते हैं। इसे आप नारियल की चटनी, सांबर, केचप के साथ खा सकते हैं।

रागी डोसा

सेहत के फ्रिकमंद लोग रागी का डोसा बेहद पसंद आएगा। यह स्वाद के साथ ही काफी हेल्दी होता है। रागी डोसा को रागी के आटे, दही, पानी या छाछ को मिलाकर इसे बनाया जाता है।

सेट डोसा

इसे डोसा का नाम आपने शायद ही सुना होगा। सेट डोसा को स्पोंज डोसा भी कहा जाता है। यह चावल, उड़द दाल, मेथी के बीज और पोहे से बनाया जाता है। यह गाढ़ा, मुलायम और फूला हुआ होता है।

चीज डोसा

आज के समय में ज्यादातर लोग आपको चीज लवर मिल जाएंगे। चीज प्रेमियों के लिए यह डोसा काफी परफेकट है। इसे बना भी काफी आसान है। बस आपको डोसा बनाकर उसके ऊपर से खूब सारा चीज डालना है और पिघलने तक पकाएं।

प्लेन डोसा

यह डोसा तो सभी ने खाया होगा। इसे बनाना भी काफी आसान होता है। प्लेन डोसा चावल और उड़द की दाल से बना पतला और क्रिस्पी होता है। इसे आमतौर पर सांबर और नारियल की चटनी के साथ परोसा जाता है।

दूध का सेवन सेहत के लिए लाभकारी, पर इन लोगों को क्यों पहुंचाता है नुकसान ?

दूध, एक ऐसा पेय है जिसे स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद माना जाता है। यह न केवल कैल्शियम, प्रोटीन और विटामिन्स का समृद्ध स्रोत है, बल्कि यह हड्डियों और दांतों की मजबूती के लिए भी जरूरी है। इसके स्वास्थ्य लाभों के बारे में हम सभी जानते हैं, लेकिन क्या आपको पता है कि कुछ लोगों के लिए दूध पीना हानिकारक भी हो सकता है? आइए, इस पर एक्सपर्ट्स की राय जानते हैं।

दूध के फायदे

कैल्शियम की पूर्ति दूध का सेवन कैल्शियम की कमी को पूरा करता है, जो हड्डियों की सेहत के लिए महत्वपूर्ण है। शारीरिक विकास बच्चों के लिए दूध बेहद जरूरी होता है, क्योंकि यह उनके शारीरिक विकास में मदद करता है। प्रतिरक्षा प्रणाली दूध पीने से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है, जिससे बीमारियों से लड़ने में मदद मिलती है। तनाव कम करने में मददगार दूध में मौजूद ट्रिप्टोफैन से तनाव कम करने में मदद मिलती है। दांतों और हड्डियों को मजबूती दूध में मौजूद कैल्शियम और फास्फोरस दांतों और हड्डियों की मजबूती के लिए आवश्यक हैं।

दूध के साइड इफेक्ट्स

हालांकि, दूध के कई लाभ हैं, लेकिन इसके कुछ नुकसान भी हो सकते हैं

1. एलर्जी कुछ लोगों को दूध से एलर्जी होती है, जिसके कारण त्वचा पर चकत्ते या अन्य समस्याएं हो सकती हैं।

2. पाचन संबंधी समस्याएं दूध में लैक्टोज होता है, जिसे कुछ लोग पचा नहीं पाते, जिससे गैस, पेट फूलना, और सूजन जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

3. वजन बढ़ना दूध में कैलोरी की मात्रा अधिक होती है, जिससे अधिक सेवन करने पर वजन बढ़ सकता है।

4. किडनी और कैंसर कुछ स्वास्थ्य विशेषज्ञ किडनी और कैंसर के रोगियों के लिए दूध के सेवन से बचने की सलाह देते हैं, क्योंकि इसमें ऐसे तत्व हो सकते हैं जो उनके स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं।

लैक्टोज इंटॉलरेंस

लैक्टोज इंटॉलरेंस एक ऐसी स्थिति है जिसमें शरीर दूध में मौजूद लैक्टोज को पचाने में असमर्थ होता है। इस समस्या से ग्रस्त लोगों को दूध और डेयरी उत्पादों का सेवन करने से बचने की सलाह दी जाती है। लैक्टोज इंटॉलरेंस के लक्षणों में गैस, पेट फूलना, और सूजन शामिल हैं।

किन लोगों को दूध नहीं पीना चाहिए?

लैक्टोज इंटॉलरेंस वाले लोग यदि आपको लैक्टोज इंटॉलरेंस है, तो दूध पीना आपके लिए हानिकारक हो सकता है। दूध से एलर्जी वाले लोग अगर आपको दूध से एलर्जी है, तो इसे पीने से बचें। किडनी रोगी किडनी से संबंधित समस्याओं वाले लोगों को दूध और डेयरी उत्पादों का सेवन सीमित करना चाहिए। कैंसर रोगी कुछ कैंसर के रोगियों के लिए दूध हानिकारक हो सकता है, इसलिए डॉक्टर से सलाह लें। वजन कम करने की कोशिश कर रहे लोग यदि आप वजन कम करने की कोशिश कर रहे हैं, तो दूध के सेवन को सीमित करें। दूध हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद है, लेकिन सभी के लिए नहीं। अगर आप दूध पीने के फायदे और नुकसान के बारे में स्पष्टता चाहते हैं, तो बेहतर होगा कि आप अपने डॉक्टर या न्यूट्रिशनिस्ट से सलाह लें। याद रखें, हर व्यक्ति की शरीर की आवश्यकता अलग होती है, इसलिए अपने स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए ही दूध का सेवन करें।

व्रत के दौरान कब्ज-एसिडिटी नहीं करेंगे परेशान, जब पहले ही कर लेंगे ये काम

व्रत के दौरान खाली पेट रहने से कब्ज की समस्या आम हो सकती है, क्योंकि लंबे समय तक बिना भोजन और फाइबर का सेवन करने से पाचन प्रक्रिया धीमी हो जाती है। हालांकि, कुछ उपाय अपनाकर आप कब्ज की समस्या से छुटकारा पा सकते हैं। यहां कुछ टिप्स दिए जा रहे हैं, जो व्रत के दौरान कब्ज से राहत दिलाने में मदद करेंगे।

पर्याप्त पानी पीना

व्रत के दौरान अक्सर लोग कम पानी पीते हैं, जो शरीर में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) का कारण बनता है। यह कब्ज की एक प्रमुख वजह है। दिन भर में कम से कम 8–10 गिलास पानी पिएं। आप नारियल पानी, नींबू पानी, छाछ या गर्म पानी का सेवन भी कर सकते हैं, जो पाचन को बेहतर बनाएगा।

फाइबर युक्त आहार का सेवन

व्रत के समय भी आप फाइबर युक्त फलों और सब्जियों का सेवन कर सकते हैं। जैसेरू फल पपीता, अनार, सेब, नारियल फाइबर से भरपूर आहार पाचन तंत्र को ठीक रखने में मदद करता है और मल को आसानी से बाहर निकलने में सहायक होता है।

दही का सेवन

दही में प्रोबायोटिक्स होते हैं, जो पेट के लिए फायदेमंद होते हैं। यह पाचन तंत्र को स्वस्थ रखता है और कब्ज से राहत दिलाता है। व्रत के दौरान दही का सेवन करना आपकी आंतों को बेहतर बनाए रखेगा।

छोटे और हल्के भोजन

खाली पेट लंबे समय तक रहने से अचानक भारी भोजन करने से पाचन बिगड़ सकता है। इसलिए व्रत खोलने के बाद छोटे और हल्के भोजन लें। थोड़ी–थोड़ी मात्रा में फल, सलाद, सूप या उपवास की साबुदाना खिचड़ी खाएं।

व्यायाम और हल्का योग

व्रत के दौरान भी हल्का व्यायाम या योगासन, जैसे पवनमुक्तासन, वज्रासन, और भुजंगासन करना पाचन को बेहतर बनाता है और कब्ज से छुटकारा दिलाने में मदद करता है।

तले–भुने खाने से बचें

व्रत के दौरान तले–भुने भोजन से बचें। ऐसे खाद्य पदार्थ पाचन को धीमा कर सकते हैं, जिससे कब्ज की समस्या बढ़ सकती है। भोजन को अच्छी तरह चबा–चबाकर खाने से पाचन प्रक्रिया में मदद मिलती है और कब्ज की समस्या नहीं होती। ध्यान रखें कि संतुलित आहार और पर्याप्त पानी का सेवन आपकी पाचन शक्ति को बेहतर बनाए रखता है।

नवरात्रि के व्रत में बनाकर खाएं साबूदाना की खिचड़ी, बेहद आसान है इसकी रेसिपी

साबुदाना खिचड़ी एक बेहद लोकप्रिय भारतीय व्यंजन है। यह खिचड़ी विशेष रूप से व्रत या उपवास के दौरान खाई जाती है। इस खिचड़ी को साबूदाना, मूंगफली, आलू और मसालों का इस्तेमाल कर बनाई जाती है।

आज से यानी की 03 अक्तूबर से शारदीय नवरात्रि की शुरूआत हो चुकी है। नवरात्रि के यह 9 दिन बेहद खास होते हैं। इन 9 दिनों में मां दुर्गा के 9 अलग–अलग स्वरूपों की पूजा–अर्चना की जाती है। बहुत से लोग नवरात्रि के 9 दिनों तक व्रत करते हैं। ऐसे में व्रत के दौरान सबसे बड़ा सवाल यह होता है कि हर रोज अलग–अलग क्या फलाहारी पकवान पकाए और खाए जाएं। ऐसे में अगर आप भी नवरात्रि में 9 दिनों का व्रत कर रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको साबूदाना की खिचड़ी बनाने की आसान विधि के बारे में बताने जा रहे हैं। बता दें कि साबुदाना खिचड़ी एक बेहद लोकप्रिय भारतीय व्यंजन है। यह खिचड़ी विशेष रूप से व्रत या उपवास के दौरान खाई जाती है। इस खिचड़ी को साबूदाना, मूंगफली, आलू और मसालों का इस्तेमाल कर बनाई जाती है। इसको बनाने का तरीका बेहद सरल है। ऐसे में आइए जानते हैं इस खिचड़ी की रेसिपी के बारे में. ..

साबुदाना खिचड़ी की सामग्री

साबूदाना– 1 कप

घी– 1 बड़ा चम्मच

हरी मिर्च– 1–2 (कटी हुई)

आलू– 1 मध्यम आकार का

मूंगफली– 1/4 कप

जीरा– 1 चम्मच

सेंधा नमक– 1/2 चम्मच

नींबू का रस– 1 चम्मच

हरा धनिया

ऐसे बनाएं साबूदाना की खिचड़ी

साबूदाना की खिचड़ी बनाने के लिए सबसे पहले साबूदाने को अच्छे से धो लें। फिर इसको 4–5 घंटे के लिए भिगो दें। भिगोने के लिए पानी इतना होना चाहिए कि उसमें साबूदाना अच्छे से डूब जाएं। साबूदाना के सही से फूलने के बाद आप एक कड़ाही में घी गर्म कर लें। फिर इसमें जीरा डालें और हरी मिर्च डालें। इसके बाद उबले हुए आलू डालें और इसको हल्का सुनहरा होने तक भून लें। अब कड़ाही में साबूदाना डालें और सेंधा नमक डालकर अच्छे से मिक्स करें। इस तरह से 5–8 मिनट तक साबूदाना को पकने दें। जब यह पारदर्शी हो जाए, तो आखिर में इसमें भुनी हुई मूंगफली का पाउडर और नींबू का रस डालें। अब इसको अच्छे से मिलाएं और 2–3 मिनट और पकने दें। फिर ऊपर से धनिया पत्ती डालकर इसको दही या फलाहारी चटनी के साथ खाएं।

संक्षिप्त

शनिवार–रविवार की छुट्टी होना भारतीय कल्चर नहीं है, वर्क कल्चर पर बोले ओला सीईओ

ओला के सीईओ भाविश अग्रवाल का एक पुराना वीडियो वायरल हो गया है। इस वायरल वीडियो में भाविश अग्रवाल भारतीय कॉरपोरेट्स में कार्य–जीवन संतुलन यानी वर्क लाइफ बैलेंस के बारे में बात कर रहे हैं। हाल ही में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर काफी वायरल हो रहा है। वीडियो में उनके विचार दर्शाते हैं कि कुछ नेता किस प्रकार संतुलित जीवन के बारे में सोचते हैं, जहां कर्मचारियों को आराम करने और अपने निजी जीवन के लिए समय निकालने का अवसर मिले। यह बात और भी महत्वपूर्ण हो गई है, विशेषकर कर्मचारियों द्वारा काम के दबाव के कारण हाल ही में घटित हुई कई घटनाओं के मद्देनजर ऐसा हुआ है। वायरल वीडियो में अग्रवाल ने कार्य–जीवन संतुलन की अवधारणा पर अपने विचार साझा करते हुए कहा, ष्मुझे नहीं लगता कि कार्य–जीवन संतुलन सही अवधारणा है। यह शनिवार–रविवार की छुट्टी भारतीय चीज नहीं है; यह पश्चिमी चीज है। भारत में, हमारे पास कभी शनिवार और रविवार नहीं होते थे; हमारे पास चंद्र कैलेंडर था, और हमारी छुट्टियां उसी पर आधारित थीं; हमारे पास महीने में केवल एक या दो दिन ही होते थे। हमारे यहां कभी शनिवार या रविवार नहीं होता था; यह पश्चिमी आयात है। इसलिए जब औद्योगिक क्रांति हुई, तो शनिवार और रविवार शारीरिक श्रम के लिए आराम के दिन बन गए; यही कारण है कि शनिवार और रविवार आज भी प्रासंगिक हैं, लेकिन आधुनिक युग में वे प्रासंगिक नहीं हैं। अगर मैं कुछ दशक आगे देखूं, तो मुझे नहीं लगता कि काम सिर्फ पांच दिन और फिर छुट्टी का दिन है।" ओला के सीईओ के ये शब्द इंटरनेट यूजर्स को पसंद नहीं आए और उन्होंने उनके विचारों से अपनी असहमति जाहिर की। एक यूजर ने लिखा, ष्वह जो भाषा बोलते हैं वह पश्चिमी है, वह जो कपड़े पहनते हैं वह पश्चिमी है। वह जिस तकनीक के साथ काम करते हैं वह पश्चिमी है... असल में ये लोग ही कारण हैं कि हमारा देश विकास नहीं कर पा रहा है। इनको चाहिए रोबोट और हम ठहरे इंसान।ष "कल वह कहेंगे कि वेतन एक पश्चिमी अवधारणा है। शाम को दाल रोटी दाल देंगे, खा लेना, और साइड में चादर बिछाके सो जाना,श्श एक अन्य यूजर ने लिखा है।

महिंद्रा ने छोटे इलेक्ट्रिक वाणिज्यिक वाहन खंड में कदम रखा

घरेलू वाहन विनिर्माता कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) ने बृहस्पतिवार को छोटे इलेक्ट्रिक वाणिज्यिक वाहन खंड में उतरने की घोषणा की। कंपनी ने दो टन से कम वजन वाले खंड में इलेक्ट्रिक चार–पहिया वाहन जियो को पेश किया है। इसकी कीमत 7.52 लाख रुपये से शुरू होती है। महिंद्रा लास्ट माइल मोबिलिटी की प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुमन मिश्रा ने पीटीआई–से कहा कि इस खंड में डीजल की तुलना में इलेक्ट्रिक उत्पाद सात वर्ष की अवधि में

ग्राहकों के लिए बढ़िया मूल्य देता है। मिश्रा ने कहा, "इस श्रेणी (दो टन से कम वाणिज्यिक वाहन खंड) का एक प्रतिशत ही अभी इलेक्ट्रिक है जबकि तिपहिया श्रेणी में यह अनुपात लगभग 20 प्रतिशत है। हमारी आकांक्षा इस अनुपात को बढ़ाने की है।" उन्होंने कहा कि पारंपरिक छोटे वाणिज्यिक वाहन खंड में कंपनी की जीतो के साथ पहले से ही 14–15 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी है। मिश्रा ने बताया कि कंपनी को इस मॉडल की लगभग 12,000 इकाइयों के ऑर्डर पहले ही मिल चुके हैं। यह एक बार चार्ज करने पर 160 किलोमीटर की दूरी तय करती है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर करीब चार प्रतिशत टूटा, बाजार मूल्यांकन 77,607 करोड़ रुपये घटा

दिग्गज कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड का शेयर बृहस्पतिवार को शेयर बाजार में व्यापक गिरावट के बीच करीब चार प्रतिशत तक टूट गया। इस गिरावट से देश की सबसे मूल्यवान कंपनी के बाजार मूल्यांकन में 77,606.98 करोड़ रुपये की कमी आ गई। बीएसई पर इस दिग्गज शेयर में 3.91

प्रतिशत की गिरावट आई और यह कारोबार के अंत में 2,815.25 रुपये पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 5.28 प्रतिशत गिरकर 2,775 रुपये पर आ गया था। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में यह शेयर 3.94 प्रतिशत फिसलकर 2,813.95 रुपये के भाव पर आ गया। कारोबार के अंत में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 77,606.98 करोड़ रुपये घटकर 19,04,762.79 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी के शेयरों में लगातार तीसरे दिन गिरावट का रुख रहा। इस दौरान इसके मूल्य में कुल 7.76 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है। बीएसई सेंसेक्स 1,769.19 अंक का गोता लगाते हुए 82,497.10 और एनएसई निफ्टी 546.80 अंक लुढ़ककर 25,250.10 पर आ गया।

हार्दिक पांड्या से नाखुश हैं कोच मोर्कल, नेट्स में मयंक–हर्षित ने बरपाया कहर

ग्वालियर। भारत और बांग्लादेश के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज की शुरुआत छह अक्तूबर से हो रही है। पहला मैच ग्वालियर में खेला जाएगा। इस मैच को लेकर टीम इंडिया जमकर मेहनत कर रही है। बीसीसीआई ने एक वीडियो पोस्ट किया है। इस वीडियो में भारत की पेस बैटरी प्रैक्टिस सेशन के दौरान नेट्स में अपनी पूरी क्षमता से गेंदबाजी करती दिख रही है। वहीं, नए बॉलिंग कोच मोर्ने मोर्कल गेंदबाजों से बात करते दिख रहे हैं। मोर्कल के सामने बांग्लादेश सीरीज से पहले काफी चुनौतियां हैं। प्रैक्टिस सेशन में ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने भी गेंदबाजी का अभ्यास किया। हालांकि, मोर्कल हार्दिक के गेंदबाजी के प्रति रवैये से नाखुश दिखे और दोनों ने इसमें सुधार को लेकर लंबी चर्चा की। एक रिपोर्ट के मुताबिक, हार्दिक स्टंप्स के काफी करीब से गेंदबाजी कर रहे थे और मोर्कल इससे खुश नहीं थे। इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ग्वालियर में नेट्स सेशन के दौरान मोर्कल पांड्या के रन–अप पर काम कर रहे थे। इस दौरान मोर्कल पांड्या की स्टंप के काफी करीब से गेंदबाजी करने से नाखुश लग रहे थे और उन्होंने पांड्या को इस बारे में जानकारी भी दी। ज्यादा नहीं बोलने के लिए मशहूर मोर्कल को हार्दिक को उनकी बॉलिंग मार्क पर लौटते वक्त हर बार कान में कुछ बोलते हुए देखा गया। मोर्कल ने कथित तौर पर हार्दिक की रिलीज प्वाइंट पर भी काम किया है। हार्दिक की बॉलिंग को देखने के बाद मोर्कल ने अपना ध्यान बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और युवा हर्षित राणा और मयंक यादव पर केंद्रित कर दिया। मयंक का पहली बार भारतीय टीम में चयन हुआ है। इस पेसर के पास लगातार 150+ की स्पीड से गेंद फेंकने की क्षमता है। वहीं, हर्षित पिछले कुछ समय

से भारतीय टी20 टीम का हिस्सा हैं। भारत ने टेस्ट सीरीज में बांग्लादेश को 2–0 से क्लीनस्वीप किया था और अब उनका पूरा ध्यान रविवार से शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज पर है। हर्षित राणा और मयंक यादव जैसे युवा सितारे इस सीरीज में आईपीएल के अपने प्रदर्शन को दोहराना चाहेंगे क्योंकि बीसीसीआई चयन समिति का उन पर भरोसा है। अभिषेक शर्मा, रिंकू सिंह, रियान पराग और नीतीश कुमार रेड्डी भी मौके को भुनाना चाहेंगे, जबकि यह सीरीज मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती के लिए दूसरे मौके के रूप में भी काम करेगी जो लंबे समय से भारत के टी20 सेटअप से गायब रहे हैं। बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीमरू सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, हार्दिक पांड्या, रियान पराग, नीतीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, वरुण चक्रवर्ती, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा और मयंक यादव।

सैमसंग ने हड़ताली भारतीय कर्मचारियों मनाने के लिए भेजे फल और चॉकलेट के 'स्नैक्स किट'

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के भारत में इन दिनों अच्छे दिन नहीं चल रहे है। चेन्नई स्थित सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण इकाई के कर्मचारी बीते एक महीने से लगातार वेतन और संघ की मान्यता के लिए विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। फ्रंटलाइन की रिपोर्ट की मानें तो सैमसंग इंडिया वर्कर्स यूनियन–सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियंस (एसआईडब्ल्यूयू–सीआईटीयू) के नेतृत्व में हड़ताल ने त्योहारी सीजन से पहले सैमसंग के उत्पादन में 80 फीसदी की कमी कर दी है, जो घरेलू उपकरणों की बिक्री के लिए एक महत्वपूर्ण अवधि है। फ्रंटलाइन की रिपोर्ट के अनुसार, हड़ताल के चौथे सप्ताह में प्रवेश करने के साथ ही सैमसंग ने हड़ताल तोड़ने की अपनी रणनीति के तहत हड़ताली कर्मचारियों को स्नैक किट भेजना शुरू कर दिया है। हड़ताली कर्मचारियों की मांगें हैं ये–

गौरतलब है कि तमिलनाडु स्थित सैमसंग संयंत्र में लगभग 1,800 कर्मचारी कार्यरत हैं। इनमें से 1,000 से अधिक कर्मचारी 9 सितंबर से हड़ताल पर हैं। हड़ताल पर गए कर्मचारी एसआईडब्ल्यूयू–सीआईटीयू यूनियन को मान्यता देने की मांग कर रहे है। इसके अलावा तीन साल के लिए वेतन वृद्धि कर 36,000 रुपये करने, शिफ्ट भत्ते को 150 रुपये से बढ़ाकर 250 रुपये करने तथा पितृत्व अवकाश को तीन दिन से बढ़ाकर सात दिन करने की मांग उठाई गई है। यूनियन यह भी चाहती है कि सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स समान योग्यता और कर्तव्य वाले श्रमिकों के लिए समान वेतन की व्यवस्था करे। वर्ष 2007 में स्थापित सैमसंग इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड पिछले 16 वर्षों से बिना किसी यूनियन के काम कर रही है। भारतीय ट्रेड यूनियन केंद्र द्वारा समर्थित सैमसंग इंडिया वर्कर्स यूनियन का गठन पिछले वर्ष किया गया था, लेकिन अभी भी कंपनी से आधिकारिक पंजीकरण और मान्यता का इंतजार है।

स्टार अफगान स्पिनर राशिद खान ने किया निकाह, नबी समेत ये खिलाड़ी जश्न में हुए शामिल

काबुल। अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान तीन अक्तूबर को शादी के बंधन में बंध गए। राशिद ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में शादी की। दुनिया के दिग्गज स्पिनरों में शुमार राशिद ने पश्तून रीति–रिवाजों के मुताबिक शादी की। इस जश्न मे अफगानिस्तान की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के कई क्रिकेटर भी शामिल हुए। इनमें मोहम्मद नबी के अलावा, अजमतुल्लाह ओमरजाई, नूर अहमद, मुजीब उर रहमान समेत कई स्टार शामिल हैं। वहीं उनके विवाह स्थल की तस्वीर और वीडियो ने सोशल मीडिया पर तूफान ला दिया है। फैंस जमकर शादी के जश्न के वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल कर रहे हैं। जिस होटल में राशिद का निकाह हुआ, उसके बाहर कई लोग बंदूक लेकर घूमते नजर आए। अफगानिस्तान के कई सितारों ने राशिद को बधाई देने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। अफगानिस्तान टीम के दिग्गजों में से एक मोहम्मद नबी राशिद को जीवन में अगला कदम उठाने के लिए बधाई देने वाले पहले लोगों में से थे।

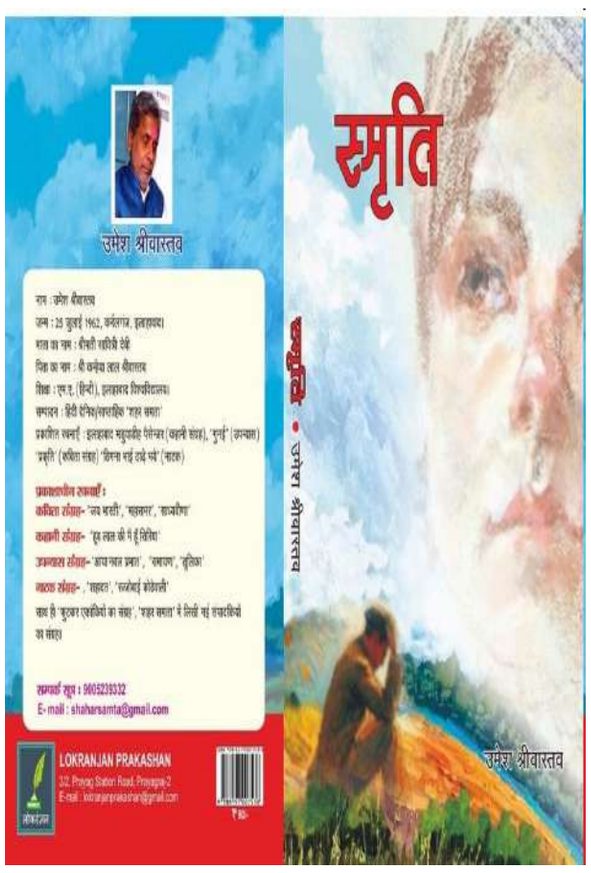

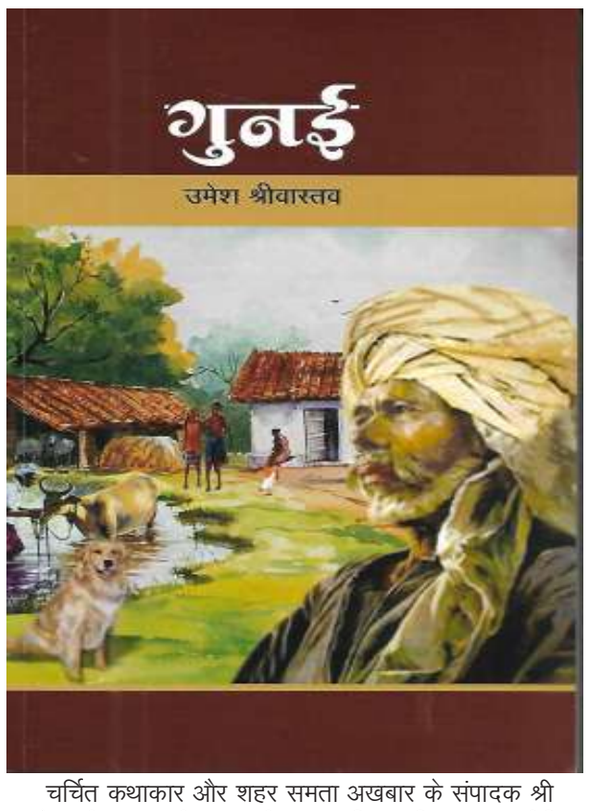

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

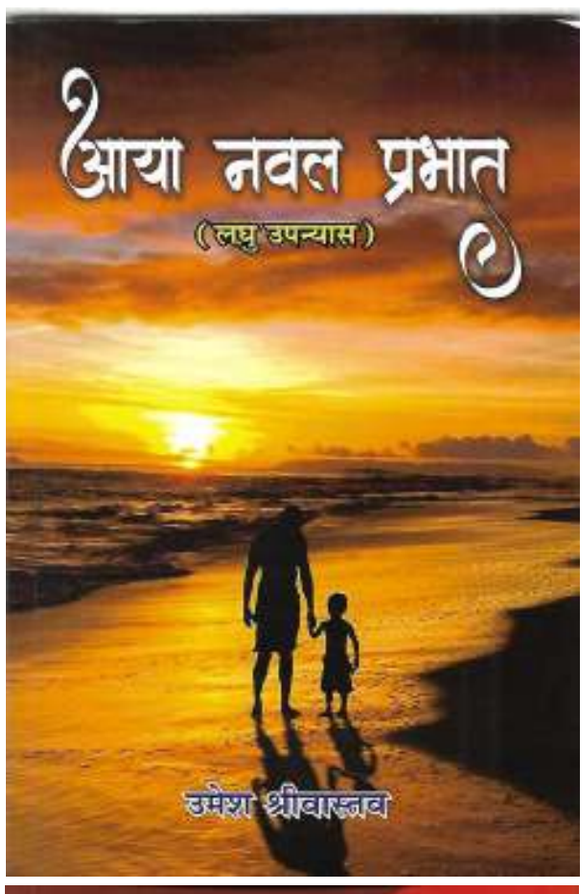

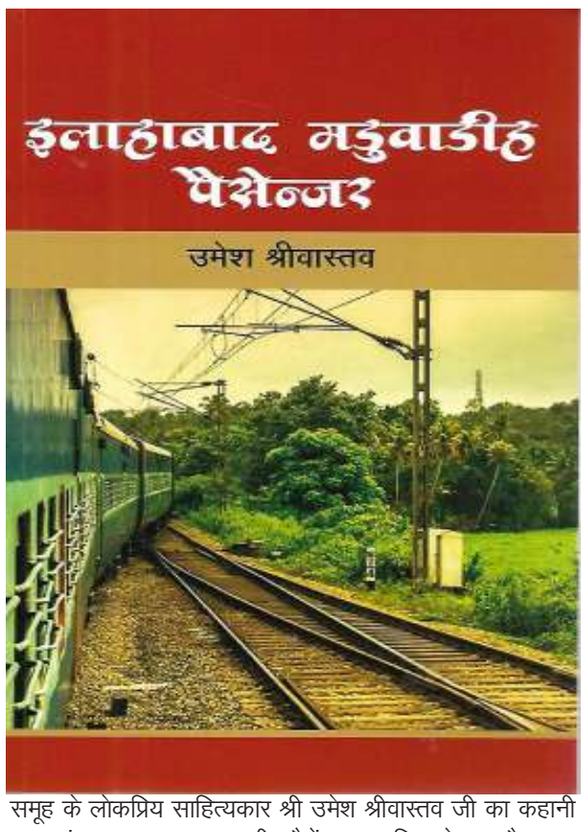

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

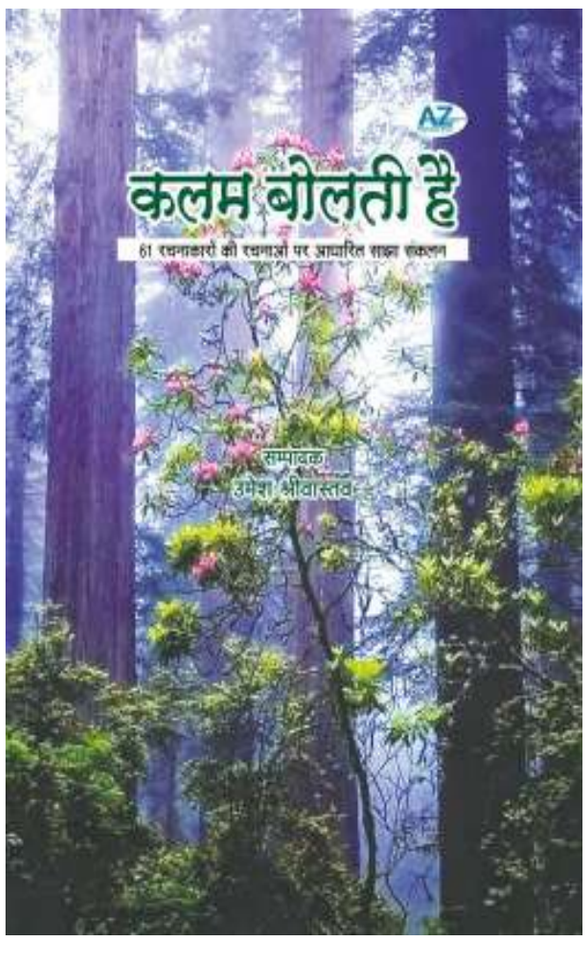

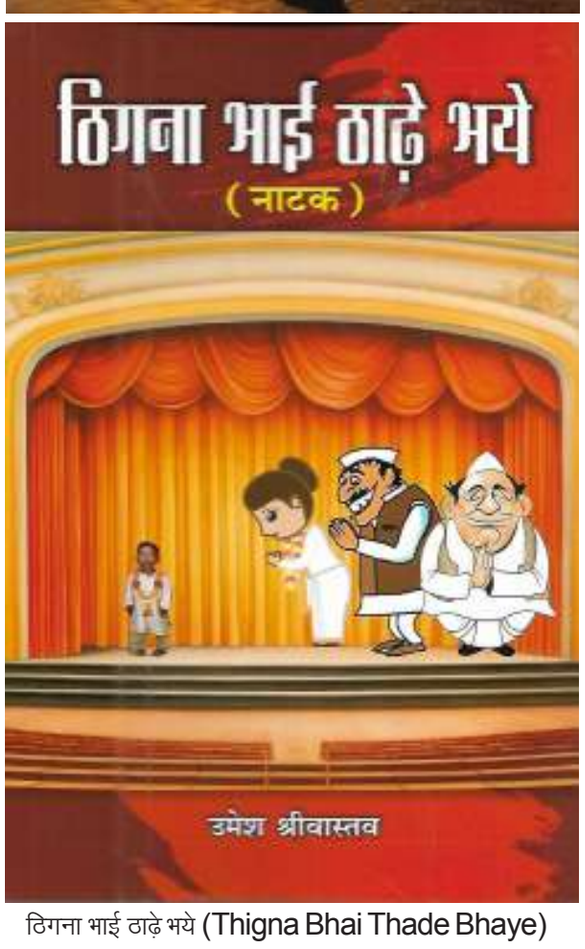

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

अजित डोभाल ने मैक्रों से मिलकर तैयार किया कौन सा रोडमैप, क्या नया करने की तैयारी में है भारत और फ्रांस?

भारत और फ्रांस के बीच बढ़ते रक्षा सहयोग ने दुनिया में बड़ा धमाका कर दिया है। हाल ही में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल की फ्रांस यात्रा ने दोनों देशों की मित्रता को और बढ़ा दिया है। डोभाल ने फ्रांस की महत्वपूर्ण यात्रा के दौरान राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने भी मुलाकात की है। इस बैठक में डोभाल ने पीएम मोदी की शुभकामनाएं मैक्रों को दी और दोनों ने होरइजन 2047 रोडमैप को लागू करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। ये रोडमैप भारत और फ्रांस के बीच

दीर्घकालिक साझेदारी को मजबूती प्रदान करने वाला एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है। इसके अलावा डोभाल ने फ्रांसिसि रक्षा खरीद एजेंसी यानी डीजीए के महानिदेशक इमैनुएल चीवा और फ्रांसिसि विदेश मंत्री जीन नोयल से भी मुलाकात की। फ्रांस स्थित भारतीय दूतावास ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि फ्रांस के विदेश मंत्री जीन–नोएल बैरोट के साथ बैठक के बाद एनएसए अजीत डोभाल की यात्रा संपन्न हुई। यूरोप और पश्चिम एशिया में जारी युद्धों पर विचार साझा किए। पिछले महीने रूस की यात्रा के दौरान डोभाल ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी। डोभाल की रूस यात्रा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यूक्रेन की यात्रा के लगभग 15 दिन बाद हुई थी। डोभाल ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात की थी। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने पर पहली बार प्रतिक्रिया देते हुए भारत ने बुधवार को सभी पक्षों से संयम बरतने का आह्वान किया और कहा कि ऐसा न हो कि यह संघर्ष पूरे क्षेत्र को अपनी चपेट में ले ले। भारत ने यह टिप्पणी तब की है जब एक दिन पहले ईरान ने इजराइल द्वारा हिजबुल्ला प्रमुख हसन नसरल्ला तथा आतंकवादी समूह के अन्य कमांडरों की हत्या के जवाब में यहूदी देश पर करीब 200 मिसाइलें दागीं।

मोहम्मद मुइज्जू पीएम मोदी से मिलने 7 अक्टूबर को आएंगे दिल्ली

मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू 7 अक्टूबर को द्विपक्षीय यात्रा के लिए भारत आने की उम्मीद है। भारत और मालदीव सितंबर की शुरुआत से ही मुइज्जू की अपेक्षित यात्रा की तैयारी कर रहे थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए 9 जून को नई दिल्ली की यात्रा के बाद मुइज्जू की दूसरी भारत यात्रा होगी। राष्ट्रपति कार्यालय की मुख्य प्रवक्ता हीना वलीद ने जिस दिन मुइज्जू के भारत यात्रा के बारे में जानकारी दी, ठीक उसी दिन पीएम मोदी पर अपमानजनक टिप्पणी करने वाले दो मंत्रियों से इस्तीफा भी ले लिया गया। मालदीव के राष्ट्रपति ने भी कहा था कि उन्होंने सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अपमान करने के लिए उपमंत्रियों के खिलाफ कार्रवाई की थी। इस साल की शुरुआत में मालदीव के युवा मंत्रालय के उप मंत्रियों को सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ अपमानजनक पोस्ट करने की वजह से निलंबित कर दिया गया था। नई दिल्ली ने माले के समक्ष इस मामले को जोरदार ढंग से उठाया था। मोदी की लक्षद्वीप की यात्रा के बाद सोशल मीडिया एक्स पर उनके पोस्ट को लेकर मालदीव के उपमंत्रियों ने भारतीय प्रधानमंत्री की आलोचना की थी। भारत और मालदीव के बीच संबंध पिछले साल नवंबर से ही तनावपूर्ण हो गए थे, जब चीन के प्रति झुकाव रखने वाले मुइज्जू ने मालदीव के राष्ट्रपति का पदभार संभाला था। मुइज्जू ने भारत से कहा था कि वह देश द्वारा उपहार में दिए गए तीन विमानन प्लेटफॉर्म का संचालन कर रहे लगभग 90 भारतीय सैन्य कर्मियों को वापस बुला ले। भारत ने 10 मई तक अपने सैन्य कर्मियों को वापस बुला लिया और उनकी जगह डोर्नियर विमान और दो हेलीकॉप्टरों के संचालन के लिए असैन्य कर्मियों को तैनात कर दिया।

हैती में गिरोह के हमले में 20 से अधिक लोगों की मौत, 50 लोग घायल : अधिकारी

अफ्रीकी देश हैती के पोंट सोनडे शहर में एक गिरोह के लोगों ने बृहस्पतिवार को तड़के हमला किया जिसमें बच्चों सहित 20 से अधिक लोग मारे गए और 50 लोग घायल हो गए। एक मानवाधिकार संगठन ने यह जानकारी दी। वार्ता, सुलह एवं जागरुकता आयोग की प्रवक्ता बेर्टाइड हारेस ने बताया कि ग्रान ग्रिफ गिरोह के लोगों ने पोंट–सोनडे शहर में हमला किया और घरों और कारों को आग लगा दी जिसमें कम से कम 20 लोग मारे गए और 50 लोग घायल हो गए। उन्होंने 'रेडियो किस्केया' से कहा, '' बहुत से लोग इलाका छोड़कर भाग गए।'' सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो में लोगों का एक समूह झाड़ियों के बीच से भागता हुआ दिखाई दे रहा है, जिसमें एक महिला की सांस फूल रही थी और वह कह रही है, '' कहां जाए''। एक अन्य वीडियो में गिरोह के लोगों के आने की बात सुनकर बड़ी संख्या में लोग सड़क पर भागते दिखाई दे रहे हैं। हारेस और अन्य लोगों ने निकट के तटीय शहर सेंट–मार्क की पुलिस की आलोचना की और कहा कि उसने पोंट–सोनडे में हमले के दौरान लोगों की मदद करने के वास्ते कोई कदम नहीं उठाया। एक रिपोर्ट के अनुसार, इस गिरोह में लगभग 100 सदस्य हैं और उन पर हत्या, बलात्कार, डकैती और अपहरण जैसे अपराधों का आरोप हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

तेहरान में ग्रैंड मस्जिद के बाहर उमड़ी भीड़

नसरल्लाह की मौत के बाद पहली पब्लिक अपीयरेंस में दुनियाभर के मुसलमानों से खामनेई ने ये क्या अपील कर दी?

ईरानी सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई ने तेहरान की ग्रैंड मस्जिद में नमाज अदा की। हिजबुल्लाह प्रमुख हसन नसरल्ला की हत्या के प्रतिशोध में ईरान द्वारा इज़राइल पर 200 मिसाइलें दागे जाने के कुछ दिनों बाद वो लगभग पांच वर्षों में अपनी पहली तकरीर भी दी। एक वीडियो में लोगों को मारे गए हिजबुल्लाह नेता के स्मृति समारोह के लिए इकट्ठा होते दिखाया गया है। मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि बेरूत में हिजबुल्लाह मुख्यालय पर इजरायली हमलों के बाद खामेनेई को एक सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया था। ईरान के सर्वोच्च नेता ने देश के नाम पर अपने संबोधन की शुरुआत लोगों से एकजुट

रहने की अपील के साथ की। उन्होंने कहा कि आप लोग अल्लाह के बताए रास्ते से नहीं हटे। मुसलमान एकजुट होकर रहना होगा। हमें प्यार मोहब्बत से रहना होगा। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने कहा कि दुश्मन ने फिलिस्तीन–लेबनान में मुस्लिमों पर हमले किए, ईरान ने मिसाइल से जवाब दिया।

इजराइल की हिंसा को रोकने के लिए दागी मिसाइल

पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के बीच संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने बुधवार को एक आपातकालीन बैठक की। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत ने कहा कि उनके देश ने इजराइल पर लगभग 200 मिसाइल दागी थीं, ताकि इजराइल की हिंसा को रोका जा सके, जबकि उनके इजराइली समकक्ष ने इस हमले को आक्रामकता का अभूतपूर्व कृत्य करार दिया। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने जवाबी कार्रवाई करने का संकल्प व्यक्त किया, वहीं एक ईरानी कमांडर ने धमकी दी कि अगर इजराइल ने ऐसा किया तो वे बुनियादी ढांचे पर व्यापक हमले करेंगे।

लेबनान में इजरायल का अटैक जारी

इजरायल ने मध्य बेरूत की एक इमारत को निशाना बनाकर हवाई हमला किया, जिससे नौ लोगों की मौत हो गई। इन लोगों को हिजबुल्ला का सदस्य बताया गया है। इजराइल सितंबर के अंत से ही लेबनान के उन क्षेत्रों पर बमबारी कर रहा है जहां उग्रवादी समूह हिजबुल्ला की मजबूत उपस्थिति है, लेकिन राजधानी बेरूत के मध्य क्षेत्र को शायद ही कभी निशाना बनाया गया हो। बुधवार देर रात हुए हमले से पहले कोई चेतावनी नहीं दी गई थी, जिसमें मध्य बेरूत में एक इमारत को निशाना बनाया गया। यह इमारत संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय, प्रधानमंत्री कार्यालय और संसद से ज्यादा दूर नहीं है। वहीं, हिजबुल्ला की नागरिक सुरक्षा इकाई ने कहा कि उसके सात सदस्य मारे गये हैं।

नसरल्लाह की मौत को हफ्ता भी नहीं बीता और मारा गया नया चीफ!

हिजबुल्ला की कमान संभालना मतलब मौत को गले लगाना जैसा

हिजबुल्ला चीफ हसन नसरल्लाह की मौत को अभी हफ्ता भर भी नहीं बीता है। जुमे के दिन प्रार्थना सभा भी आयोजित नहीं हुई थी। तभी एक और खबर आ गई। हिजबुल्ला के नए चीफ की मौत की खबर आ रही है। जानकारी मिल रही है कि हिजबुल्ला के नए चीफ पर भी इजरायल ने उसी तरीके से हमला किया जिस तरह हसन नसरल्लाह पर किया था। सात दिन भी नहीं हुए और खबर आ रही है कि हिजबुल्ला के नए चीफ पर जोरदार हमला हुआ है। हालांकि किसी की भी तरफ से हाशेम सफीद्दीन की मौत को लेकर पक्की की खबर नहीं आई है। हसन नसरल्लाह के मारे जाने के बाद हिजबुल्लाह के नए चीफ यानी इस संगठन

के नए कमांडर हिज्बुल्लाह की एग्जिक्यूटिव काउंसिल का चीफ हाशेम साफीद्दीन को बनाए जाने की खबर सामने आई थी। इस खबर के कुछ ही दिन गुजरे थे कि अब इजरायल ने हाशेम साफीद्दीन को निशाना बनाकर जोरदार हमला किया। हालांकि अभी ये साफ नहीं हुआ है कि इस हमले में वो बच गए हैं या मारे गए हैं। लेबनानी मीडिया रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए इजरायल ने दावा किया कि आईडीएफ ने कथित तौर पर बेरूत के दहिम में हाशेम साफीद्दीन को मारने की कोशिश की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ये हमला नसरल्लाह को मारने वाले हमले से कहीं ज्यादा बड़ा था। यानी जिस तरह का हमला नसरल्लाह को मारने के लिए किया गया उससे भी ज्यादा घातक अटैक साफीद्दीन के लिए किया गया। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार आधी रात में इजरायल ने बेरूत पर भीषण हमलों को अंजाम दिया था। इससे जुड़ी कई तस्वीरें भी सामने आई। कहा जा रहा है कि साफीद्दीन इस वक्त एक अंडरग्राउंड बंकर में हिजबुल्ला के कई वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर रहा है। हिजबुल्ला के नए चीफ की क्या हालत है इसके बारे में आधिकारिक रूप से कोई जानकारी बाहर नहीं आई है। इजरायल द्वारा नसरल्लाह को मारे जाने के बाद से ये इस क्षेत्र में की गई सबसे भीषण बमबारी बताई जा रही है।

इजरायल ने ऐसा डराया, नहीं निकला जनाजा, हसन नसरल्लाह को चुपचाप हिजबुल्लाह ने गुप्त स्थान पर दफनाया

इजरायली हमले में मारे गए हिजबुल्लाह प्रमुख हसन नसरल्लाह को सार्वजनिक अंतिम संस्कार होने तक एक गुप्त स्थान पर अस्थायी रूप से दफनाया गया है। हिजबुल्लाह ने अभी तक नसरल्लाह के अंतिम संस्कार की योजना की घोषणा नहीं की है। विरोधाभासी रिपोर्टों से पता चलता है कि उनका अंतिम विश्राम स्थान या तो लेबनान या इराक में हो सकता है। इराकी प्रधान मंत्री मोहम्मद शिया अल सुदानी के सलाहकार अब्दुल अमीर अल तेइबान ने ट्वीट किया कि नसरल्लाह को इराक में इमाम हुसैन के बगल में कर्बला में दफनाया जाएगा। ये स्थान शिया मुस्लिम समुदाय के लिए बहुत महत्व रखता है। इस बीच, ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के नेतृत्व में शुक्रवार को नसरल्लाह का प्रतीकात्मक अंतिम संस्कार होने की उम्मीद है। खामेनेई, जिन्होंने तेहरान में पांच साल में अपना पहला दुर्लभ शुक्रवार का उपदेश दिया, ने नसरल्लाह की मृत्यु पर शोक व्यक्त किया। तेहरान में भी जुलूस निकाले जाने की संभावना है। नेता को देखने के लिए हजारों ईरानी राजधानी में एकत्र हुए, मुख्य मंच पर नसरल्ला की तस्वीर के साथ खामेनेई की तस्वीर भी प्रदर्शित की गई। बेरूत में समूह के केंद्रीय मुख्यालय को निशाना बनाकर किए गए एक बड़े इजरायली हवाई हमले में मारा गया था। रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि जिस बंकर पर नसरल्लाह और वरिष्ठ हिजबुल्लाह नेता बैठक कर रहे थे, उस पर हमला

करने के लिए 80 टन बंकर–विस्फोट बमों का इस्तेमाल किया गया था। नसरल्ला की संभवतः दम घुटने से मौत हो गई। उनके शरीर पर कोई बाहरी चोट नहीं दिखी, जिससे पता चलता है कि विस्फोट के कारण बने जहरीले वातावरण में उनका दम घुट गया होगा।

उ. कोरिया के नेता किम ने दक्षिण कोरिया को दी परमाणु हमले की धमकी

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने धमकी दी है कि अगर उत्तर कोरिया को उकसाया गया तो वह परमाणु हथियारों का इस्तेमाल कर दक्षिण कोरिया का समूल नाश कर देगा। सरकारी मीडिया ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। दरअसल दक्षिण कोरिया के नेता ने चेतावनी दी थी कि अगर किम ने परमाणु हथियारों का उपयोग करने का प्रयास किया तो उनके शासन का खात्मा कर दिया जाएगा और इसके जवाब में किम ने दक्षिण कोरिया को यह चेतावनी दी है। दोनों देशों के नेताओं के बीच इस तरह ही बयानबाजी नयी नहीं है लेकिन उनकी ये हालिया टिप्पणी उत्तर कोरिया द्वारा हाल में परमाणु केंद्र के खुलासे और मिसाइल परीक्षणों को जारी रखने के कारण बढ़े तनाव के बीच आई है। उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार समिति 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' (केसीएनए) के अनुसार, किम ने बुधवार को विशेष अभियान बल की एक इकाई के दौरे के वक्त कहा कि अगर दक्षिण कोरिया उसकी संप्रभुता का अतिक्रमण करने के लिए सशस्त्र बलों का उपयोग करने का प्रयास करता है तो उनकी सेना ''बिना किसी हिचकिचाहट के अपने पास मौजूद परमाणु हथियार सहित सभी आक्रामक हथियारों का इस्तेमाल करेगी।'' किम ने कहा, ''अगर ऐसी स्थिति आती है तो दक्षिण कोरिया का अस्तित्व मिट जाएगा।'' किम का यह बयान दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक योल के मंगलवार को अपने देश के सशस्त्र सेना दिवस पर दिए गए भाषण का जवाब था। उत्तर कोरिया को निशाना बनाने में सक्षम दक्षिण कोरिया की सबसे शक्तिशाली ह्यूनमू–5 बैलेस्टिक मिसाइल और अन्य पारंपरिक हथियारों का अनावरण करते हुए यून ने कहा कि जिस दिन उनका पड़ोसी देश परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने की कोशिश करेगा, उस दिन किम सरकार का अंत हो जाएगा क्योंकि किम को दक्षिण कोरियाई–अमेरिकी गठबंधन के ''दृढ़ और भारी विरोध का सामना करना पड़ेगा।

हेलेन तूफान से मरने वालों की संख्या 200 तक पहुंची

अमेरिका के जॉर्जिया और उत्तरी कैरोलिना में हेलेन तूफान से और अधिक मौतें होने की सूचना के बाद बृहस्पतिवार को इससे मरने वालों की संख्या 200 तक पहुंच गई। जॉर्जिया के अधिकारियों ने आठ और उत्तरी कैरोलिना ने तीन लोगों की मौत होने की

सूचना दी है। जिसके बाद मृतकों की संख्या 189 से बढ़कर 200 हो गई। पश्चिमी उत्तरी कैरोलिना के पहाड़ों में बृहस्पतिवार को भी खोज और बचाव अभियान जारी रहा। तूफान का सबसे अधिक असर इसी क्षेत्र में पड़ा है। हेलेन तूफान पिछले बृहस्पतिवार को उत्तरी फ्लोरिडा के तट पर आया था।

कांगो में नौका पलटने से कम से कम 78 लोगों की मौत

मध्य अफ्रीकी देश कांगो के पूर्वी हिस्से में किवु झील में बृहस्पतिवार को सैकड़ों यात्रियों को ले जा रही एक नौका के पलट जाने से कम से कम 78 लोगों की मौत हो गई। एक स्थानीय अधिकारी ने यह जानकारी दी। दक्षिण किवु प्रांत के गवर्नर जीन–जैक्स पुरुसी ने बताया कि नाव पर 278 लोग सवार थे। उन्होंने कहा कि कम से कम 78 लोगों की मौत हो गई और मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। इससे पहले प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि नौका पर क्षमता से अधिक यात्री सवार थे। किटुकू बंदरगाह से कुछ मीटर की दूरी पर नौका डूब गई। यह घटना उस वक्त हुई जब नौका दक्षिण किवु प्रांत के मिनोवा से उत्तर किवु प्रांत के गोमा जा रही थी। इससे पहले जून में, राजधानी किंशासा के पास एक नौका डूबने से 80 यात्रियों की जान चली गई थी। जनवरी में, माई–नडोम्बे झील में नौका डूबने से 22 लोगों की मौत हो गई थी।

पाकिस्तान में इमरान खान के हजारों समर्थक सड़क पर उतरे, पंजाब प्रांत में 700 को किया गिरफ्तार

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) को सरकार के खिलाफ विरोध रैलियां आयोजित करने के लिए पंजाब प्रांत के विभिन्न शहरों में पुलिस कार्रवाई का सामना करना पड़ा। पार्टी ने दावा किया कि एक दिन पहले 700 से अधिक समर्थकों और सांसदों को गिरफ्तार किया गया था। न्यायपालिका की स्वतंत्रता और इमरान की रिहाई की मांग को लेकर इस्लामाबाद में बड़ी रैली हुई। रैली में करो या मरो – 4 अक्टूबर युद्ध का नारा लगा। अब और इंतजार नहीं, अब चुप्पी नहीं। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इमरान खान ने राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन का आह्वान जारी किया था। समर्थकों से न्यायपालिका की स्वतंत्रता के लिए रैली करने का आग्रह किया गया था। पुलिस ने आपराधिक प्रक्रिया संहिता की धारा 144 का उल्लंघन करने के लिए पीटीआई सांसदों और समर्थकों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की, जो मियांवाली, बहावलपुर और फैसलाबाद में लगाई गई थी।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।